दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्षः 30 | अंकः 255 | भोपाल, सोमवार 29 सितंबर 2025 | पृष्ठः 08 | मूल्यः 1 रुपए

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

×ãæ»õÚ

(8वां दिवस)

श्वेते वृषे समारूढ़ा
श्वेताम्बारधरा शुचिः।
महागौरी शुभं दद्यान्हादेवप्रमोददा।।

माँ दुर्गा जी की आठवीं शक्ति का नाम महागौरी है। इनका वर्णपूर्णतः गौर है। इस गौरता की उपमा शख, चन्द्र और कुन्दके फूल से दी गयी है। इनकी आयु आठ वर्षकी मानी गयी है-'अष्टवर्षा भवेद् गौरी' इनके समस्त वस्त्र एवं आभूषण आदि भी श्वेत हैं। इनकी चार भुजाएं हैं। इनके ऊपर के दाहिने हाथ में अभय-मुद्रा और नीचे वाले दाहिने हाथ में त्रिशुल है। ऊपरवाले बाये हाथ में डमरू और नीचे के बाये हाथ में वर-मुद्रा है।

सभी को स्वदेशी संकल्प की शपथ दिलाई, स्वदेशी उत्पाद भी खरीदे

सबका विकास हमारा संकल्प, हर वादा करेंगे पूरा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ग्राम जगदीशपुर में स्व-सहायता समूहों की दीदियों के साथ प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम में हुए शामिल

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार सबके समग्र विकास का ध्येय लेकर आगे बढ़ रही है। किसान, गरीब, युवा, महिलाओं के कल्याण एवं विकास के लिए पृथक-पृथक मिशन चलाये जा रहे हैं। सबका विकास हमारा संकल्प है और इस संकल्प की पूर्ति के लिए हम अपना हर वादा पूरा करके दिखायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को भोपाल जिले की बैरसिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जगदीशपुर में राज्य संरक्षित स्मारक समूह स्थल चमन महल में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम के 126वें एपिसोड का स्थानीय स्व-सहायता समूहों की दीदियों के साथ श्रवण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीणों को स्वदेशी संकल्प की शपथ दिलाई और अपील की कि सभी अपने जीवन में अधिकतम भारतीय उत्पादों का उपयोग करें और आयातित वस्तुओं की जगह देशी विकल्प अपनाएं। साथ ही पर्यावरण के प्रति सजग रहकर स्वदेशी और प्रकृति-अनुकूल उत्पादों का ही प्रयोग करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी को नवरात्रि पर्व, दशहरा और दीपावली त्यौहारों की अग्रिम मंगलकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि त्यौहारों में सिर्फ स्वदेशी और भारत में निर्मित वस्तुएं ही खरीदें। इससे हर घर में त्यौहार मनेगा। मुख्यमंत्री ने हर घर स्वदेशी और घर-घर स्वदेशी का नारा उद्घोष करते हुए कहा कि सभी को स्वदेशी अपनाने के लिए संकल्पित कराया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुएं खरीदने से ही हमारे सूक्ष्म, लघु, मध्यम एवं कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा। इसी से हमारे कुशल कारीगर, शिल्पकार और कुम्भकारों के घरों में भी दीपावली मनेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों को भावांतर योजना की जानकारी देते हुए कहा कि वे 5 से 25 अक्टूबर तक पंजीयन करा लें। फिर 1 नवम्बर से 31 जनवरी 2026 के दौरान बेची गई सोयाबीन की फसल पर ही भावांतर योजना का लाभ मिलेगा। यदि किसी किसान की सोयाबीन की फसल समर्थन मूल्य 5328 रुपये प्रति क्विंटल पर नहीं बिकती, तो जितनी राशि में बिकी है और समर्थन मूल्य के बीच के अंतर की राशि सरकार किसान को देगी। इस प्रकार किसानों को सोयाबीन की फसल बेचने पर समर्थन मूल्य 5328 रुपये प्रति क्विंटल की राशि ही मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पहली बार ग्राम जगदीशपुर आकर बेहद हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि गोंडवाना साम्राज्य का सदियों पुराना यह किला आज भी हमें उस गौरवशाली अतीत की याद दिलाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल में लगाये गए स्वदेशी उत्पादों के स्टॉलों का अवलोकन किया। स्टॉल में मिट्टी के दिए, मिट्टी के तवे, कुल्हड़, मटके, करवा चौथ पूजन की सामग्री सहित मिट्टी से बने अन्य उत्पाद भी प्रदर्शित किए गए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्टॉल का अवलोकन कर मिट्टी के दिए, तवे और अन्य उत्पाद भी खरीदे और स्टॉल स्वामी को नगद भुगतान भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पौधा देकर एवं किश-मिश खिलाकर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने भी गांव की तीन महिलाओं सुश्री विजयमाला, श्रीमती गीता बाई एवं श्रीमती फूलवती बाई को %एक बगिया मां के नाम% अभियान के अंतर्गत पौधा देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने चमन महल परिसर में कदम्ब का पौधा लगाया। इससे पहले मन की बात के 126वें एपिसोड में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सभी से अपील करते हुए कहा है कि इस बार त्यौहार सिर्फ स्वदेशी के साथ ही मनाएं। देशवासी वोकल फॉर लोकल को खरीदारी का मूल मंत्र बनाएं। जो देश में बन रहा है, वही स्वदेशी खरीदें। स्वदेशी वस्तुएं खरीद कर हम एक प्रकार से किसी कलाकार या कारीगर का सम्मान कर रहे होते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अमर शहीद भगत सिंह और स्वर कोकिला लता मंगेशकर की जयंती पर इनका पुण्य स्मरण इन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

संक्षिप्त खबरें

अर्जेंटीना में 3 लड़कियों की हत्या इंस्टाग्राम पर लाइव दिखाई

अर्जेंटीना में ड्रग गैंग ने तीन लड़कियों की बेरहमी से हत्या कर दी और इस पूरी वारदात को इंस्टाग्राम पर स्ह1द्र दिखाया। घटना 19 सितंबर की है। अब घटना के विरोध में प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। हत्या से पहले गैंग के गुर्गों ने लड़कियों को बुरी तरह पीटा, उनकी उंगलियां काटीं, नाखून उखाड़े, इसके बाद गला घोंटकर मार डाला। पुलिस के मुताबिक, तीनों को पार्टी में बुलाने के बहाने वैन में ले जाया गया और गैंग के 'नियम तोड़ने' की सजा के तौर पर मार दिया गया। वीडियो में गैंग लीडर को यह कहते सुना गया कि जो मेरे ड्रग्स चुराएगा, उसका यही हाल होगा। मृतक लड़कियों में दो चचेरी बहनें मोरेना वेर्दी और ब्रेंडा डेल कास्टिलो (20-20 साल) और 15 साल की लारा गुटिएरेज थीं।

एयरपोर्ट, स्कूलों और अन्य संस्थानों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली में एयरपोर्ट, स्कूलों और अन्य संस्थानों को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल के जरिए मिली है। धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) और डॉग स्क्वॉड को मौके पर भेजा गया। एयरपोर्ट पर यात्रियों की आवाजाही पर नजर रखी गई। स्कूलों और संस्थानों से बच्चों और स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाला गया। अब तक की स्थिति में सुरक्षा एजेंसियों को जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। दिल्ली पुलिस अब यह जांच कर रही है कि यह धमकी भरा ईमेल कहाँ से भेजा गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, धमकी भरा मेल भेजने वाले ने खुद को एक आतंकी ग्रुप से बताया है और अपने ग्रुप का नाम टैरोराइज 111 बताया है। पिछले कुछ महीनों में दिल्ली में इस तरह की झूठी बम धमाके की धमकियों के कई मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें शामिल हैं।

तवा डैम के 5 गेट खुले

मप्र के 15 जिलों में बरसा बड़वानी में मकान ढहा

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मध्यप्रदेश के 15 जिलों में रविवार को बारिश हुई। धार और बड़वानी में तेज पानी गिरा। नरसिंहपुर में आधा इंच से ज्यादा बरसात हो गई। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को बैतूल, नर्मदापुरम, इंदौर, पचमढ़ी, रतलाम, उज्जैन, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, मंडला, सागर, सिवनी में भी पानी गिरा। तवा डैम के 5 गेट खोले गए हैं। रविवार सुबह धार के मनावर और बड़वानी के सेंधवा में भी पानी गिरा। सेंधवा में तेज बारिश से खेतों में पानी भर गया, जिससे मक्के की फसल को नुकसान पहुंचा है। यहां एक कच्चा मकान भी गिर गया।

इधर, शनिवार को उज्जैन जिले से भी मानसून विदा हो गया। इसे मिलाकर प्रदेश के 12 जिलों से मानसून विदा हो चुका है। इनमें ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, आगर-मालवा, नीमच, मंदसौर और रतलाम भी शामिल हैं। राजगढ़ और अशोकनगर के कुछ हिस्से से मानसून विदा हुआ है।

मन की बात **कार्यक्रम में खादी का जिक्र कर की अपील**

गांधी जयंती पर खादी का सामान जरुर खरीदें और गर्व से कहें ये स्वदेशी है

एजेंसी | नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में कहा कि नवरात्रि के इस समय में हम शक्ति की उपासना करते हैं। हम नारी-शक्ति का उत्सव मनाते हैं। व्यापार से लेकर खेल तक और शिक्षा से लेकर विज्ञान तक देश की बेटियां हर जगह अपना परचम लहरा रहीं है। आज वे ऐसी चुनौतियों को भी पार कर रही हैं, जिनकी कल्पना करना मुश्किल है।

पीएम मोदी ने कहा कि 2 अक्टूबर को गांधी जयंती है। गांधीजी ने हमेशा स्वदेशी को अपनाने पर बल दिया और इनमें खादी सबसे प्रमुख थी। दुर्भाग्य से आजादी के बाद खादी की रौनक फीकी पड़ती जा रही थी, लेकिन बीते 11 साल में खादी के प्रति देश के लोगों का आकर्षण बहुत बढ़ा है। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि 2 अक्टूबर को कोई ना कोई खादी सामान जरूर खरीदें और गर्व से कहें ये स्वदेशी हैं।

मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि छठ पूजा ऐसा एक पावन पर्व है जो दीवाली के बाद आता है। इसमें हम डूबते

सूर्य को भी अर्घ्य देते हैं, उनकी आराधना करते हैं। आज ये एक वैश्विक उत्सव बन रहा है। भारत सरकार छठ महापर्व को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल कराने के लिए प्रयासरत है। जब छठ पूजा यूनेस्को की सूची में शामिल हो जाएगी, तो दुनिया के हर कोने में लोग इसकी भव्यता और दिव्यता का अनुभव कर सकेंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि आज लता मंगेशकर की भी जयंती है। संगीत में रुचि रखने वाला कोई भी उनके गीतों को सुनकर अभिभूत हुए बिना नहीं रह सकता। उन्होंने देशभक्ति के जो गीत गाए, उन गीतों ने लोगों को बहुत प्रेरित किया। भारत की संस्कृति से भी उनका गहरा जुड़ाव था। मैं लता दीदी के लिए हृदय से अपनी श्रद्धांजलि प्रकट करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि अमर शहीद भगत सिंह, हर भारतवासी, विशेषकर देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणापुंज है। निर्भीकता उनके स्वभाव में कूट-कूटकर भरी थी। उन्होंने कहा कि भगत सिंह लोगों की पीड़ा के प्रति भी बहुत संवेदनशील थे और उनकी मदद में हमेशा आगे रहते थे। मैं शहीद भगत सिंह को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

62 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी

एमपी में बोगस फर्मों से जीएसटी चोरी का खुलासा

- फर्जी नंबरों पर ट्रांसफर करते थे व्यापारी, एक नंबर पर सप्लाई दिखाकर होती थी टैक्स चोरी

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मध्यप्रदेश में जीएसटी चोरी का एक बड़ा रैकेट सामने आया है। राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) और जीएसटी विभाग की संयुक्त टीम ने जांच में अब तक करीब 62 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी का खुलासा किया है। अधिकारियों का अनुमान है कि जांच पूरी होने पर यह आंकड़ा 75 करोड़ रुपए या उससे अधिक तक पहुंच सकता है।

जीएसटी के अधिकारियों के मुताबिक आरोपी क्रेडिट किसी बोगस जीएसटी नंबर पर इकट्ठा करते थे और फिर उसे एक-एक कर कई फर्जी नंबरों में ट्रांसफर कर देते थे। ट्रांसफर के बाद चेन में दिखने वाले किसी एक नंबर के माध्यम से सप्लाई दिखाकर टैक्स चोरी कर लेते थे।

सूत्रों के मुताबिक, सर्कुलर ट्रेडिंग के जरिए यह गड़बड़ी की जा रही थी। इसके लिए आरोपी कारोबारियों ने एक राज्य या कई राज्यों में पांच या उससे अधिक फर्जी फर्में अपने परिचितों और कर्मचारियों के नाम पर रजिस्टर कराईं। इनका असली कारोबार से कोई लेना-देना नहीं था। इन बोगस कंपनियों के जरिए कागजों पर लेन-देन दिखाकर आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) का दुरुपयोग किया गया और सरकार को करोड़ों का चूना लगाया गया।

नौ जिलों में की गई जांच

सितंबर के पहले हफ्ते से शुरू हुई इस कार्रवाई में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, छतरपुर, सीहोर सहित नौ जिलों में जांच की गई। जांच के दौरान भोपाल और सिंगरौली में एक टैक्स सलाहकार विशेष रूप से निशाने पर रहे, जिनके जरिए फर्जी आईटीसी भरकर टैक्स चोरी की जा रही थी।

तमिल एक्टर विजय की रैली में भगदड़, 40 की मौत

- मृतकों में 16 महिलाएं, 10 बच्चे; 9 साल की बच्ची के खोने की खबर से बेकाबू हुई भीड़

एजेंसी | करूर

तमिलनाडु के करूर में एक्टर विजय की रैली में शनिवार शाम को भगदड़ मच गई। CM स्टालिन के मुताबिक, हादसे में 40 लोगों की मौत हो गई। इनमें 16 महिलाएं और 10 बच्चे शामिल हैं। 51 लोग ICU में भर्ती हैं। मरने वालों की संख्या और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

तमिलनाडु पुलिस के मुताबिक, विजय की रैली के लिए 10 हजार लोगों की परमिशन थी। लेकिन, 1 लाख 20 हजार स्क्वायर फीट एरिया में 50 हजार से ज्यादा लोग जमा हो गए। इस दौरान एक्टर 6 घंटे की देरी से पहुंचे। विजय को बताया गया कि 9 साल की एक बच्ची गुम हो गई थी। उन्होंने मंच से उसे तलाशने की अपील की, जिसके बाद वहां भगदड़ के हालात बन गए। इधर, तमिलनाडु के CM एमके स्टालिन ने रात को ही हाईलेवल मीटिंग ली और देर रात को ही करूर पहुचें। स्टालिन ने हॉस्पिटल जाकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी और घायलों से मुलाकात की है। उधर, गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से मामले को लेकर रिपोर्ट मांगी है। वहीं, घटना के बाद विजय घायलों से नहीं मिले। वे चार्टर्ड फ्लाइट से सीधे चेन्नई चले गए।

ब्रम्हकुमारीज द्वारा आयोजित विशेष संवाद सत्र में बोले आईआईएमसी के पूर्व महानिदेशक

मीडिया मिशन था, है और रहेगाः प्रो. संजय द्विवेदी

आबू रोड। ब्रम्हकुमारीज मुख्यालय में चल रहे राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन में विशेष संवाद सत्र में भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रोफेसर संजय द्विवेदी ने कहा कि यह कहना ग़लत है कि मीडिया पहले मिशन था और अब प्रोफेशन है। टीवी पत्रकार बीके ज्योति से बातचीत करते हुए प्रोफेसर द्विवेदी ने कहा कि कोई भी समय किसी भी विधा के सिद्धांतों को नहीं बदल सकता। कुछ लोगों के विचलन से मूल्य आधारित पत्रकारिता का मार्ग बंद नहीं होता।

यह मिशन थी, है और रहेगी। उन्होंने कहा कि चिकित्सा, शिक्षा, मीडिया जैसे सारे शास्त्र अंततः मिशन ही हैं। कुछ लोगों की बाजारु

सोच से मूल्य और सिद्धांत नहीं बदलते। मूल्यनिष्ठा, संवेदनशीलता, जनहित और राष्ट्रीय हित इसकी कसौटी है। प्रो.द्विवेदी का कहना था कि आजादी के आंदोलन के मूल्य ही भारतीय पत्रकारिता के मूल्य हैं, हमें वास्तविक स्वराज को लाने के लिए जतन करने होंगे। तभी भारतीय भाषाओं, वेशभूषा, स्वशासन और भारतीय पद्धतियों का सम्मान होगा। अभी हमारा देश तो स्वतंत्र है पर स्वराज अभी प्रतीक्षित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोक-मंगल ही किसी भी विधा की कसौटी है। इसी में इसकी सार्थकता है।

केरन सेक्टर में सेना ने 2 आतंकियों को ढेर किया, शव एलओसी के बहुत करीब पड़े

एजेंसी | जम्मू

जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में सेना ने दो आतंकियों को ढेर किया है। ये आतंकी एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश में थे। सूत्रों के मुताबिक, शव एलओसी के बहुत करीब पड़े हैं। सीमा पार से गोलीबारी के खतरे को देखकर उन्हें निकालने का अभियान चालू है। मारे गए आतंकवादियों की पहचान और उनके संगठन की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। बीते 8 दिनों में सेना और आतंकवादियों के बीच यह दूसरा एनकाउंटर है। इसके पहले 20 सितंबर को उधमपुर में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में एक जवान शहीद हुआ था। वहीं एसपीओ सहित दो पुलिसकर्मी घायल हुए थे। मुठभेड़ दूदू-बसंतगढ़ और डोडा के भद्रवाह में जंगलों में हुई थी। 8 सितंबर को कुलगाम में ऑपरेशन गुड?डर के दौरान हुए एनकाउंटर में भी 2 जवान शहीद हुए थे। इसमें कैथल के लांसनायक नरेंद्र सिंधु और उत्तर प्रदेश के पैरा कमांडो प्रभात गौड़ का नाम शामिल था। इस मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के 2 आतंकी मारे गए थे। इसमें से एक शोपियां निवासी आमिर अहमद डार और दूसरा विदेशी आतंकी रहमान भाई था। आमिर लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था और सितंबर 2023 से सक्रिय था। पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से जारी 14 आतंकवादियों की सूची में यह भी शामिल था।

सट्टेबाजी एप **सट्टेबाजी एप के प्रचार का मामला; युवराज-रैना, सोनू सूद समेत कई से पूछताछ हो चुकी**

ईडी जल्द कुछ एक्टर-क्रिकेटर की संपत्ति जब्त करेगी

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जल्द ही कुछ खिलाड़ी और अभिनेताओं की करोड़ों की संपत्तियां जब्त करने जा रहा है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून के तहत ऑनलाइन बेटिंग एप 1×बेट के प्रमोशन मामले में होगी। ऑफिशियल सोर्स ने न्यूज एजेंसी को बताया कि 1×बेट एप से मिले एडवर्टाइजमेंट पैसों का इस्तेमाल

कुछ सेलिब्रिटीज ने अलग-अलग तरह की संपत्ति खरीदने में किया है। ऐसे में इन्हें प्रोसीड्स ऑफ क्राइम यानी अपराध से कमाई गई संपत्ति माना गया है। ईडी जल्द ही सेलिब्रिटीज की इन चल-अचल संपत्तियों को जब्त करने का आदेश जारी करेगी। कुछ सेलिब्रिटीज की संपत्तियां संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में भी हैं। फिलहाल इनकी कीमत और मूल्यांकन किया जा रहा है।

पिछले कुछ हफ्तों में ईडी ने 1×बेट एप मामले में क्रिकेटर युवराज सिंह, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और शिखर धवन, अभिनेता सोनू सूद, अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती (पूर्व TMC सांसद) और अंकुश हाजरा (बंगाली सिनेमा) से पूछताछ की है। कुछ ऑनलाइन इन्फ्लुएंसर्स से भी सवाल किए गए।

बैंक अकाउंट और ट्रांजैक्शन से जानकारी सामने आई

ईडी ने खिलाड़ी, अभिनेता और इन्फ्लुएंसर्स के बयान मनी लॉन्ड्रिंग कानून की धारा 50 के तहत दर्ज किए हैं। कई सेलिब्रिटीज ने अपने बैंक अकाउंट और ट्रांजैक्शन की डिटेल्स भी दीं, जिनसे पता चला कि उन्हें एडवर्टाइजमेंट फीस कैसे मिली। कुछ और खिलाड़ियों और एक्टर्स से अभी पूछताछ बाकी है। एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला को भी बुलाया गया था, लेकिन वह उस समय विदेश में होने के कारण पेश नहीं हुईं। मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून के नियमों के अनुसार, अपराध से जुड़ी संपत्तियों को जब्त कर लिया जाता है ताकि दोषी उनका फायदा न उठा सकें।

संपादकीय

बिल्डरों और बैंकों की साजिश ने बढ़ाई मध्यवर्ग की मुश्किलें

हर किसी का सपना होता है कि शहर में उसका भी अपना एक घर हो। इसके लिए वह अपने जीवन भर की पूंजी लगा देता है। खासकर मध्यम वर्ग के लोग इस सपने को पूरा करने के लिए अपने दैनिक खर्चे में कटौती कर बैंकों से कर्ज भी लेते हैं। मगर परेशानी तब बढ़ जाती है, जब तय समय पर उन्हें घर नहीं मिल पाता है। जाहिर है यह सब भवन निर्माताओं की मनमानी की वजह से ही होता है। ऐसे मामलों में कर्ज देने वाले बैंकों की भूमिका पर भी सवाल उठते रहे हैं। देशभर में ऐसे सैकड़ों मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें भवन निर्माताओं और बैंकों के बीच साठगांठ के आरोप लगे हैं। इसी घटनाक्रम में सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर के बाद अब मुंबई, बंगलुरु, कोलकाता, मोहाली और प्रयागराज में घर खरीदारों से धोखाधड़ी करने के आरोप में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) को छह नए मामले दर्ज करने की अनुमति दी है। सीबीआइ का कहना है कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि इस संबंध में संज्ञेय अपराध का मामला बनता है। इसमें दोराय नहीं कि मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए बढ़ती महंगाई के इस दौर में शहरों में घर खरीदने के वास्ते रकम जुटाना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में बैंकों से कर्ज लेना ही एकमात्र विकल्प होता है। मगर इन्हीं बैंकों के कर्मी अगर भवन निर्माताओं के साथ साठगांठ कर घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी करने लगें, तो कर्ज की यह सुविधा ही मुश्किल में डाल देती है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस वर्ष जुलाई में दिल्ली-एनसीआर में घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी करने के आरोपों से जुड़े मामलों में बैंकों और भवन निर्माताओं के बीच साठगांठ की गहन जांच के लिए सीबीआइ को बाईस मामले दर्ज करने की अनुमति दी थी। ये मामले एनसीआर में कार्यरत भवन निर्माताओं और उत्तर प्रदेश तथा हरियाणा के विकास प्राधिकरणों से संबंधित हैं। इसके साथ ही न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर के बाहर की आवास परियोजनाओं की प्रारंभिक जांच करने के लिए सीबीआइ को छह सप्ताह का समय दिया था। दरअसल, शहरों में घर खरीदने वालों के लिए बैंकों ने ब्याज अनुदान योजना शुरू की है। इसके तहत बैंक स्वीकृत राशि सीधे भवन निर्माता के खातों में जमा करते हैं, जिन्हें तब तक स्वीकृत ऋण राशि पर किस्त का भुगतान करना होता है, जब तक कि आवास खरीदारों को नहीं सौंप दिए जाते। सर्वोच्च न्यायालय ऐसे 1,200 से अधिक घर खरीदारों की याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, जिन्होंने एनसीआर, विशेष रूप से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम में विभिन्न आवास परियोजनाओं में ब्याज अनुदान योजनाओं के तहत आवास बुक किए थे। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि आवास का कब्जा अभी तक नहीं मिला है और बैंक उन्हें कर्ज की किस्तों का भुगतान करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। ऐसे में सवाल है कि बैंक नियमों के विपरीत घर खरीदारों पर दबाव क्यों बना रहे हैं? साफ है कि बैंकों का यह रवैया आपसी मिलीभगत की ओर इशारा करता है और यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने इन मामलों में कडा संज्ञान लिया है।

स्मृति ह्रास की वैश्विक चुनौती

आज दुनिया में पाँच करोड़ से अधिक लोग डिमेंशिया से पीड़ित हैं और इनमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी अल्ज़ाइमर रोगियों की है। अल्जाइमर दिमाग की एक बीमारी है जिसमें इंसान धीरे-धीरे बातों को भूलने लगता है। शुरुआत में छोटी-छोटी बातें भूलती हैं जैसे किसी का नाम, चीज कहां रखी थी या हाल की घटना। लेकिन समय के साथ यह भूलना इतना बढ़ जाता है कि व्यक्ति को अपने परिवार के लोग, जगह या रोज के काम भी याद नहीं रहते। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि 2050 तक यह संख्या तीन गुना तक पहुँच सकती है। हर तीन सेकंड में दुनिया के किसी न किसी कोने में एक नया डिमेंशिया रोगी जुड़ जाता है। दुनिया में, 2025 तक 55 मिलियन (5.5 करोड़) से अधिक लोग मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से पीड़ित हैं, और 2050 तक यह संख्या बढ़कर 139 मिलियन (13.9 करोड़) तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें अल्जाइमर रोग इसका सबसे आम रूप है। भारत में, 2023 के एक अध्ययन के अनुसार 9 मिलियन (90 लाख) से अधिक बुजुर्ग मनोभ्रंश से जूझ रहे हैं,

(ललित गर्ग)

अल्ज़ाइमर का सीधा संबंध मस्तिष्क की कोशिकाओं से है। यह एक प्रगतिशील रोग है जिसमें मस्तिष्क की कोशिकाएँ धीरे-धीरे नष्ट होने लगती हैं। उम्र बढ़ने के साथ इसका खतरा अधिक हो जाता है, लेकिन केवल यही कारण नहीं है।

मस्तिष्क और स्मृति की उपेक्षा से बढ़ रहा स्मृति लोप का रोग दुनिया की एक बड़ी गंभीर समस्या हैं। याददाश्त हर उम्र के व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी पूंजी है। तेज़-तर्रार और तनावग्रस्त जीवन ने शरीर और आत्मा दोनों को उपेक्षित कर दिया है। अल्ज़ाइमर की चुनौती हमें याद दिलाती है कि स्वस्थ मस्तिष्क ही स्वस्थ जीवन और स्वस्थ समाज का आधार है। मनुष्य अपनी स्मृति से ही मनुष्य है; जब यादें खोने लगती हैं तो पहचान भी धुंधला जाती है। स्मृति का ह्रास केवल व्यक्ति की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी अस्तित्वगत पहचान के मिट जाने की त्रासदी है। इस बढ़ते रोग की भयानकता के कारण ही 21 सितम्बर को पूरी दुनिया विश्व अल्ज़ाइमर दिवस मनाती है। यह केवल एक स्वास्थ्य-समस्या की याद नहीं दिलाता, बल्कि यह चेतावनी भी है कि आधुनिक जीवनशैली, मानसिक दबाव और बदलते सामाजिक ढाँचे ने हमारे मस्तिष्क को असमय थका दिया है।

आज दुनिया में पाँच करोड़ से अधिक लोग डिमेंशिया से पीड़ित हैं और इनमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी अल्ज़ाइमर रोगियों की है। अल्जाइमर दिमाग की एक बीमारी है जिसमें इंसान धीरे-धीरे बातों को भूलने लगता है। शुरुआत में छोटी-छोटी बातें भूलती हैं जैसे किसी का नाम, चीज कहां रखी थी या हाल की घटना। लेकिन समय के साथ यह भूलना इतना बढ़ जाता है कि व्यक्ति को अपने परिवार के लोग, जगह या रोज के काम भी याद नहीं रहते। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि 2050 तक यह संख्या तीन गुना तक पहुँच सकती है। हर तीन सेकंड में दुनिया के किसी न किसी कोने में एक नया डिमेंशिया रोगी जुड़ जाता है। दुनिया में, 2025 तक 55 मिलियन (5.5 करोड़) से अधिक लोग मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से पीड़ित हैं, और 2050 तक यह संख्या बढ़कर 139 मिलियन (13.9 करोड़) तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें अल्जाइमर रोग इसका सबसे आम रूप है। भारत में, 2023 के एक अध्ययन के अनुसार 9 मिलियन (90 लाख) से अधिक बुजुर्ग मनोभ्रंश से जूझ रहे हैं, और यह संख्या 2036 तक बढ़कर लगभग 17 मिलियन (1.7 करोड़) हो जाने का अनुमान है। आंकड़ों के अनुसार, यह समस्या महिलाओं को अधिक होती है। एम्स और निम्हैंस जैसी संस्थाएं इसकी शुरूआती पहचान और रिसर्च पर काम कर रही है। बुजुर्गों के साथ-साथ युवाओं में इस रोग का बढ़ना ज्यादा चिन्ताजनक है।

अल्जाइमर के बढ़ने के कारणों में मुख्य रूप से बढ़ती उम्र, आनुवंशिकी (कुछ जीन) और मस्तिष्क में असामान्य प्रोटीन जमाव शामिल हैं। इसके अलावा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा और धूम्रपान जैसे जीवनशैली संबंधी कारक, और हृदय संबंधी समस्याएँ भी अल्जाइमर के जोखिम को बढ़ा सकती हैं। शोध बताते हैं कि लगातार मोबाइल इस्तेमाल करने वालों में 35 प्रतिशत तक याददाश्त

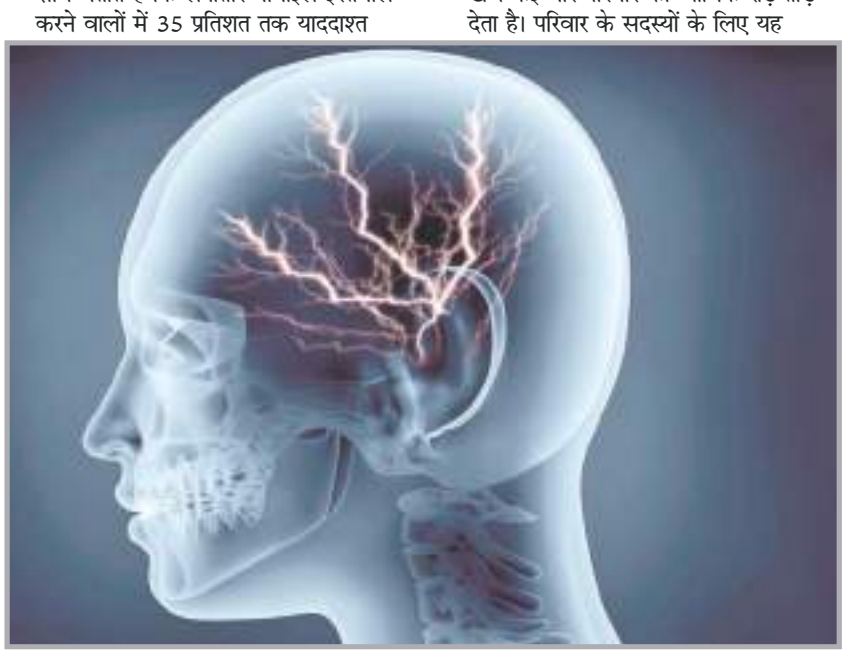

और एकाग्रता कम हो सकती है। लंदन यूनिवर्सिटी ने पाया कि मोबाइल पास होने मात्र से 10 प्रतिशत तक स्मृति घट जाती है। आईएएमएआई की रिपोर्ट बताती है कि भारत में 60 करोड़ स्मार्ट फोन इस्तेमाल करने वाले हर रोज औसतन 4.9 घंटे मोबाइल पर रहते हैं। एम्स के मुताबिक, युवाओं में डिजिटल डिमेंशिया जैसे लक्षण बढ़ रहे हैं। इस रोग की सबसे भयावह सच्चाई यह है कि यह केवल रोगी को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करता है। स्मृति का खो जाना, निर्णय लेने की क्षमता का क्षीण हो जाना, बार-बार वही प्रश्न पूछना, भाषा और व्यवहार में असामान्यता आना और अंततः अपनी पहचान तक खो बैठना-यह सब न केवल रोगी बल्कि उसके आसपास के लोगों के लिए भी असहनीय स्थिति बन जाती है।

अल्ज़ाइमर का सीधा संबंध मस्तिष्क की कोशिकाओं से है। यह एक प्रगतिशील रोग है जिसमें मस्तिष्क की कोशिकाएँ धीरे-धीरे नष्ट होने लगती हैं। उम्र बढ़ने के साथ इसका खतरा अधिक हो जाता है, लेकिन केवल यही कारण नहीं है। असंतुलित जीवनशैली, तनाव, नींद की कमी, मानसिक निष्क्रियता, नशे की आदतें और अस्वास्थ्यकर आहार भी इसके बड़े कारण हैं। धीरे-धीरे मनुष्य की सोचने-समझने की शक्ति कम होने लगती है और उसका व्यक्तित्व बदल जाता है। यह रोग न केवल चिकित्सा की दृष्टि से, बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी गहरी चुनौती है। रोगी की देखभाल पर आने वाला खर्च कई बार परिवार की आर्थिक रीढ़ तोड़ देता है। परिवार के सदस्यों के लिए यह लगातार तनाव और थकान का कारण बनता है। कई बार यह रोग परिवारों में दूरी और टूटन का भी कारण बन जाता है। एक ओर बढ़ती वृद्धावस्था, दूसरी ओर उपेक्षा और अकेलेपन का संकट-ये सभी मिलकर स्थिति को और भी विकट बना देते हैं।

अल्जाइमर दिमाग से जुड़ी एक गंभीर बीमारी है, जिसमें दिमाग की कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं। इससे याददाश्त बुरी तरह प्रभावित होती है। व्यक्ति के व्यवहार और जीवन पर असर पड़ने लगता है। वह धीरे-धीरे सब कुछ भूल जाता है। प्रारंभिक चरण में स्मृति हल्की, लेकिन ध्यान देने योग्य होती है। लोग हाल ही में घटित घटनाओं या परिचित नामों को भूल सकते हैं। मध्यम अवस्था में संज्ञानात्मक गिरावट अधिक सपष्ट हो जाती है। रोगी को समस्या-समाधान करने, बोलने या नियमित काम करने में समस्या हो सकती है। निगलने में कठिनाई और फेफड़ों में संक्रमण जैसी जटिलताएं सामने आती हैं। उन्नत अवस्था में रोगी बात करने में असमर्थ हो सकते हैं। उन्हें हर समय देखभाल करने की जरूरत हो सकती है। वे खाने व चलने जैसे बुनियादी काम नहीं कर पाते। वे बार-बार गिर सकते हैं, जिसमें उन्हें चोट लग सकती है।

दुर्भाग्य यह है कि अल्ज़ाइमर का आज तक कोई पूर्ण उपचार उपलब्ध नहीं है। अमेरिका में हाल में कुछ दवाओं को शुरूआती स्तर पर अल्जाइमर की प्रगति धीमी करने के लिए मंजूरी मिली है। ये दवाएं दिमाग में एमीलॉइड प्लेक्स कम करने पर काम करती हैं, जिन्हें समस्या का मुख्य कारण माना जाता है। संभावना है जल्दी ही देश में भी ये दवाएं मिलने लगेंगी। दवाइयाँ केवल इसकी गति को कुछ समय के लिए धीमा कर सकती हैं। ऐसे में रोकथाम के लिये संकल्प, प्राकृतिक उपचार, मनोबल ही सबसे बड़ी दवा है। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद, योग और ध्यान जैसे अभ्यास, मानसिक सक्रियता बनाए रखना, नई-नई चीजें सीखना, किताबें पढ़ना और सामाजिक जुड़ाव बनाए रखना-ये सब मस्तिष्क को सक्रिय और स्वस्थ बनाए रखने के महत्वपूर्ण साधन हैं। जीवनशैली में थोड़े-से परिवर्तन अपनाकर इस रोग को देर तक टाला जा सकता है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि अल्ज़ाइमर से पीड़ित लोगों को सबसे अधिक आवश्यकता हमारी करुणा और सहानुभूति की होती है। यह केवल चिकित्सा की नहीं, बल्कि संवेदना की भी चुनौती है। हमें रोगियों को बोझ न समझकर उनके आत्मसम्मान को बनाए रखना चाहिए। उनके प्रति धैर्य, प्रेम और संवेदनशीलता का व्यवहार ही उन्हें कुछ हद तक संबल दे सकता है। इस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने और रोगियों में कलंक एवं हीनता के भाव को कम करने के लिए ही विश्व अल्जाइमर दिवस मनाया जाता है। विश्व अल्ज़ाइमर दिवस की थीम हर साल बदलती है ताकि डिमेंशिया देखभाल और जागरूकता के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। 2025 की थीम है 'डिमेंशिया के बारे में पूछें, अल्ज़ाइमर के बारे में पूछें', जिसका उद्देश्य अल्ज़ाइमर रोग और डिमेंशिया के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाना, खुले संवाद को प्रोत्साहित करना और समय पर निदान को बढ़ावा देना है। ये थीम दुनिया भर में जागरूकता अभियानों का मार्गदर्शन करती हैं, तथा हमें याद दिलाती हैं कि अल्जाइमर केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं है, बल्कि एक सामाजिक चुनौती भी है, जिसके लिए करुणा, चिकित्सा सहायता और मजबूत नीतियों की आवश्यकता है, जो इस रोग के बारे में बेहतर समझ और रोगियों को मजबूत इच्छाशक्ति बनाने में मदद कर सकती है।

मधुमेह की उलझती पहेली को मिलकर सुलझाएं विशेषज्ञ

(रिद्मा कौल)

दुनिया भर में मधुमेह (डायबिटीज) के एक नए रूप की काफी चर्चा हो रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों (एलएमआईसी) के कम वजन वाले लाखों नौजवान इस डायबिटीज के शिकार हैं और इसे 'टाइप 5' डायबिटीज की औपचारिक मान्यता दी जानी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मधुमेह महासंघ, यानी आईडीएफ ने इसी साल अप्रैल की विश्व मधुमेह कांग्रेस की 'वेल्लोर घोषणा' में इस नाम का प्रस्ताव पारित किया था और अब द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ में इसे प्रकाशित किया गया है। इससे पहले तमिलनाडु के वेल्लोर में जनवरी में हुई एक बैठक में आम सहमति से इस नाम को स्वीकार किया गया था।

डायबिटीज की बीमारी कई तरह की होती है। सबसे चर्चित टाइप1 (स्व-प्रतिरक्षी, इंसुलिन-निर्भर) और टाइप2 (वजन-

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सन् 1985 में इसे 'कुपोषण-जनित मधुमेह' के रूप में वर्गीकृत किया था, मगर 1999 में इसे मधुमेह की सूची से हटा दिया गया, क्योंकि इस बात पर सहमति नहीं थी कि इस मधुमेह के लिए कुपोषण मुख्य वजह है। हालांकि, लैंसेट में प्रकाशित लेख में कहा गया है कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से दशकों के शोध के बाद अब पता चला है कि इन रोगियों में टाइप1 और टाइप2 से अलग लक्षण होते हैं।

संबंधी) हैं। इनके अलावा, टाइप3 मधुमेह तब होता है, जब मस्तिष्क में न्यूरॉन्स इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया नहीं करते, जबकि टाइप3सी में अग्न्याशय की इंसुलिन उत्पादन क्षमता प्रभावित होती है। इसी तरह, टाइप4 में बुजुर्गों, दुबले-पतले वयस्कों में आयु के कारण इंसुलिन बनना बंद हो जाता है। लैंसेट के लेखकों का कहना है, 'हम मधुमेह पर काम करने वाले अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस विशिष्ट बीमारी को 'टाइप5' के रूप में मान्यता देने का आह्वान करते हैं।' इन लेखकों का कहना है कि निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या में काफी वृद्धि होने की आशंका है, क्योंकि ये देश कुपोषण व अति-पोषण की दोहरी मार झेल रहे हैं। लैंसेट के अनुसार, टाइप5 मधुमेह की पहचान 1955 में हुई थी, जो कम वजन वालों व बचपन में कुपोषित रहे लोगों में देखी जा रही है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सन् 1985 में इसे 'कुपोषण-जनित मधुमेह' के रूप में वर्गीकृत किया था, मगर 1999 में इसे मधुमेह की सूची से हटा दिया गया, क्योंकि इस बात पर सहमति नहीं थी कि इस मधुमेह के लिए कुपोषण मुख्य वजह है।

जितना स्वस्थ होगा पर्यावरण, उतना बेहतर होगा स्वास्थ्य

हमारा पर्यावरण जितना स्वस्थ होगा, हमारा स्वास्थ्य भी उतना ही अच्छा होगा। इसका सीधा सा अर्थ है कि हम अपने स्वास्थ्य के लिए काफी हद तक पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हैं और इसलिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। दरअसल पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य से बहुत गहरा संबंध है। उत्तम स्वास्थ्य के साथ प्रकृति और पर्यावरण हमें भोजन, कपड़े इत्यादि जीवित रहने के लिए भी हर चीज प्रदान करते हैं, इसलिए न केवल स्वस्थ रहने के लिए बल्कि धरती पर जीवन का अस्तित्व बचाए रखने के लिए प्रकृति और पर्यावरण का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है लेकिन गहन चिंता का विषय यही है कि अब प्रकृति के साथ मानव जाति द्वारा किए जा रहे खिलवाड़ के कारण ही वैश्विक पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है, जिसका खामियाजा अब दुनिया के लगभग तमाम देश भुगत भी रहे हैं। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे भयानक खिलवाड़ के ही कारण धरती लगातार गर्म हो रही है।

(योगेश कुमार गोयल)

बढ़ते प्रदूषण और प्रकृति से खिलवाड़ के कारण ग्रीनहाउस प्रभाव, जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण इत्यादि के कारण हमारे भोजन, पानी और वायु की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण लोगों को सांस लेने में तकलीफ, त्वचा संबंधी रोग सहित कई तरह की गंभीर बीमारियां भी हो रही हैं।

हमारा पर्यावरण जितना स्वस्थ होगा, हमारा स्वास्थ्य भी उतना ही अच्छा होगा। इसका सीधा सा अर्थ है कि हम अपने स्वास्थ्य के लिए काफी हद तक पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हैं और इसलिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। दरअसल पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य से बहुत गहरा संबंध है। उत्तम स्वास्थ्य के साथ प्रकृति और पर्यावरण हमें भोजन, कपड़े इत्यादि जीवित रहने के लिए भी हर चीज प्रदान करते हैं, इसलिए न केवल स्वस्थ रहने के लिए बल्कि धरती पर जीवन का अस्तित्व बचाए रखने के लिए प्रकृति और पर्यावरण का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है लेकिन गहन चिंता का विषय यही है कि अब प्रकृति के साथ मानव जाति द्वारा किए जा रहे खिलवाड़ के कारण ही वैश्विक पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है, जिसका खामियाजा अब दुनिया के लगभग तमाम देश भुगत भी रहे हैं। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे भयानक खिलवाड़ के ही कारण धरती लगातार गर्म हो रही है। चक्रवाती तूफानों का बढ़ता सिलसिला, बाढ़, सूखा, जंगलों में लगने वाली भीषण आग तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में तेजी, ये सब पर्यावरण का स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण जलवायु में हो रहे बदलावों का ही परिणाम हैं। वैश्विक तापमान में निरंतर हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का बिगड़ता मिजाज समस्त मानव जाति के लिए गंभीर चिंता बनता जा रहा है। भारत के ही संदर्भ में देखें तो अब सर्दियां कम हो रही हैं और गर्म दिन बढ़ रहे हैं, बारिश के मौसम में भी कहीं सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है तो कहीं चारों तरफ तबाही ही तबाही नजर आती है। इस वर्ष भी हिमाचल, उत्तराखण्ड, जम्मू कश्मीर, पंजाब, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश से लेकर देश के अनेक हिस्सों में जल तबाही का भयानक नजारा देखा जाता रहा है। पर्यावरण को हो रहे गंभीर नुकसान की ओर

लोगों का ध्यान आकर्षित करने, पर्यावरण की स्थिति के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने तथा लोगों को इसे और बदतर होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 सितम्बर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। 2025 के विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस का विषय है 'स्वच्छ वायु, स्वस्थ लोग', जो स्वच्छ वायु और अच्छे स्वास्थ्य के बीच सीधे संबंध पर जोर देता है। प्रदूषकों से मुक्त वायु श्वसन संबंधी बीमारियों को सीमित करने और लोगों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2024 में यह दिवस 'पर्यावरणीय स्वास्थ्य- आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन शमन तथा अनुकूलन के माध्यम से लचीले समुदायों का निर्माण' थीम के साथ मनाया गया था जबकि 2023 की थीम थी 'वैश्विक पर्यावरणीय सार्वजनिक स्वास्थ्य- हर दिन हर किसी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खड़ा होना' थीम के साथ मनाया गया था और 2022 की थीम थी 'सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना', जिसका अर्थ था पर्यावरणीय स्वास्थ्य तंत्र को इस प्रकार मजबूत बनाया जाए ताकि लंबे समय तक पर्यावरण और मानव की लंबी उम्र तथा अच्छी सेहत के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। इस दिन पर्यावरण के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई जाती है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना अब पहले के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल पर्यावरणीय परिस्थितियों को बिगड़ने से रोकने के लिए कुछ भी नहीं करके हम न केवल पर्यावरण को बल्कि स्वयं को भी खतरे में डाल रहे हैं क्योंकि हमारा स्वास्थ्य हमारे पर्यावरण से जुड़ा है और पर्यावरण को हो रहे निरंतर नुकसान से मानव जीवन को भी नुकसान झेलना पड़ता है।

बढ़ते प्रदूषण और प्रकृति से खिलवाड़ के कारण ग्रीनहाउस प्रभाव, जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण इत्यादि के कारण हमारे भोजन, पानी और वायु की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण लोगों को सांस लेने में तकलीफ, त्वचा संबंधी रोग सहित कई तरह की गंभीर बीमारियां भी हो रही हैं।

मप्र हाईकोर्ट के निर्णय को जल्द लागू करने की मांग

दैवेभो से नियमित हुए कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ दे सरकार

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को पत्र लिखकर मांग की है कि जबलपुर हाईकोर्ट की विस्तारित आदेश का तत्काल पालन करते हुए दैनिक वेतनभोगी से नियमित हुए लाखों कर्मचारियों को दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में की गई सेवा की वरिष्ठता का लाभ देते हुए तत्काल पुरानी पेंशन योजना का पात्र घोषित करे। पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने की आदेश प्रसार किये जाए। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच में हाई कोर्ट के आदेश का जोरदार स्वागत किया है। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के

प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि हाई कोर्ट जबलपुर के जस्टिस विवेक जैन की बेंच ने मध्य प्रदेश के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी से नियमित हुए कर्मचारियों की 1000 याचिकाओं को एक-एक करते हुए एक ऐतिहासिक फैसला 27 सितंबर को कर्मचारियों के पक्ष में सुनाया है। जिसमें स्पष्ट आदेश जारी किया है कि दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में सेवा करते हुए नियमित हुए कर्मचारियों को दैनिक वेतन भोगी के समय को पेंशन की गणना में क्वालीफाइंग सर्विस पेंशन नियम 1976 में मान्य करते हुए नियमित सेवा और दैनिक वेतन भोगी की सेवा को जोडकर समस्त सेवा काल को पेंशन हेतु मान्य करते हुए नया आदेश एवं नया पेंशन पे आर्डर पीपीओ पारित किया जाए।

नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता का लाभ दिया जाए

हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी की नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता का लाभ देकर पेंशन का लाभ दिया जाए। वहीं भारत की सर्वोच्च न्यायालय भी 2024 में आदेश पारित कर चुकी है कि दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में नियुक्त हुए तथा बाद में नियमित हुए कर्मचारियों को पेंशन एवं अन्य सुविधाओं का लाभ दिया जाए। फिर भी मध्य प्रदेश सरकार ने अभी तक दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी से नियमित हुए कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने एवं अन्य लाभ देने के आदेश पारित नहीं किया हैं। मध्य प्रदेश सरकार के शासकीय एवं अर्द्ध शासकीय 64 विभागों में लगभग 1,34,000 ऐसे कर्मचारी हैं जो दैनिक वेतनभोगी से नियमित हुए हैं। लेकिन उन्हें पुरानी पेंशन योजना का लाभ नहीं दिया जा रहा है। अशोक पांडे ने कहा कि दैनिक वेतनभोगी से नियमित हुए हजारों कर्मचारियों ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। अब हाई कोर्ट जबलपुर ने कर्मचारियों के पक्ष में बडा फैसला सुना दिया है तो सरकार को भी जागते हुए कर्मचारियों के पक्ष में निर्णय लेकर दैनिक वेतन भोगी से नियमित हुए कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने के आदेश तत्काल जारी करना चाहिए नहीं तो यह कर्मचारी आंदोलन का रास्ता अपना कर अपने अधिकारियों के लिए सरकार का दरवाजा खटखटाएंगे। जिसकी जिम्मेदारी राज सरकार की होगी।

कर्मचारियों को नए साल के पहले मिलेगा प्रमोशन गिफ्ट

मध्य प्रदेश के सभी विभागों ने तैयार कर लिया है लिस्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा बनाए गए प्रमोशन के नए नियमों को लेकर मामला हाईकोर्ट में उलझा हुआ है। राज्य सरकार द्वारा 17 जून 2025 को जारी लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 जारी करते हुए कहा था कि पिछले 9 सालों से प्रमोशन बंद होने से सभी वर्गों के कर्मचारियों पर इसका विपरीत असर पड़ा है। कर्मचारी बिना प्रमोशन के ही रिटायर्ड हो रहे हैं। हाईकोर्ट में भी सरकार इस तथ्य को मजबूती से रख रही है, हालांकि इस मामले में दायर याचिका पर सुनवाई अब 16 अक्टूबर को होगी। माना जा रहा है कि हाईकोर्ट में इस मामले में फैसला अगले 3 माह में सुना सकती है। ऐसे में दिसंबर माह तक प्रदेश के कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिल सकता है। प्रदेश की मोहन सरकार ने 17 जून को प्रमोशन के नए नियमों को जारी किया और इसके 2 दिन बाद नए नियम बनाकर इसे लागू भी कर दिया। लेकिन नियम जारी करने के पहले सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दायर विशेष अनुमति याचिका को वापस नहीं लिया साथ ही पुराने पदोन्नति नियम का लाभ ले चुके

कर्मचारियों का प्रमोशन वापस नहीं लिया गया। इसलिए सरकार के नियम लागू करने के बाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। सुनवाई के दौरान सरकार से कहा गया कि वे प्रमोशन में आरक्षण के 2002 के पुराने नियम और 2025 के नए नियमों का अंतर स्पष्ट करें। यही वजह है कि अब इस मामले को लेकर सामान्य पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी कर्मचारी संस्था यानी सपाक्स सवाल उठा रही है कि नए नियम जारी करने का मतलब है कि पुराने नियम गलत थे। तो ऐसे में इसके तहत जिन कर्मचारियों को पदोन्नत किया गया है, उनका डिमोशन किया जाए और फिर सीनियरटी लिस्ट तैयार करें और इसके आधार पर प्रमोशन किया जाए।

सरकार नहीं रख सकी थी अपना पक्ष

हालांकि मामले में 12 अगस्त को हुई सुनवाई के दौरान सरकार अपना पक्ष ठीक से प्रस्तुत नहीं कर सकी थी। सरकार के वकील महाधिवक्ता यह नहीं बता पाए थे कि प्रमोशन में आरक्षण के पुराने और नए नियमों में क्या अंतर है। इसके बाद सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सीएम वैद्यनाथन की सेवाएं ली हैं, लेकिन 25 सितंबर को वे कोर्ट में प्रस्तुत नहीं हुए और इस वजह से अब कोर्ट की सुनवाई को 16 अक्टूबर तक आगे बढ़ा दिया गया है। सरकार की कोशिश है कि 9 सालों से बंद प्रमोशन जल्द शुरू हो जाए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट में मामला अभी विचाराधीन है ऐसे में यदि प्रमोशन का लाभ दिया भी गया तो वह कोर्ट के अंतिम फैसले पर ही निर्भर करेगा।

विभागों को अंतिम आदेश का इंतजार

उधर कोर्ट का फैसला अभी नहीं आया हो, लेकिन विभागों ने प्रमोशन को लेकर अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। माना जा रहा है कि प्रमोशन का लाभ प्रदेश के करीबन साढ़े 4 लाख कर्मचारियों को मिलेगा। इसके लिए कर्मचारियों की सीआर के आधार पर प्रस्ताव तैयार कर लिए हैं। हालांकि कोर्ट के फैसले के बाद ही इस पर कदम आगे बढ़ाए जाएंगे। माना जा रहा है कि अगले 3 माह में इस पर कोर्ट से मामला सुलझ सकता है और ऐसे में दिसंबर में कर्मचारियों को प्रमोशन मिल सकता है।

हम दो हमारे तीन बना ब्लैकमेलिंग का जरिया

नियमों का गलत अर्थ निकाल बढ़ी दुरुपयोग की यह समस्या

भोपाल। सरकार के नियम के मुताबिक 2001 के बाद तीसरी संतान होने पर शासकीय नौकरी नहीं की जा सकती। लेकिन मप्र में सरकारी नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। आलम यह है कि इस सरकारी नियम की आड़ में प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों के साथ ब्लैकमेलिंग की जा रही है। इस संदर्भ में लगातार शिकायतें बढ़ रही है। प्रदेश में भोपाल, छिंदवाड़ा समेत अन्य जिलों से दो से अधिक संतान वाले शासकीय कर्मचारियों की सीएम हेल्पलाइन में शिकायत कर परेशान करने के मामले सामने आ चुके हैं। बताया जा रहा है कि इसकी आड़ में कर्मचारियों को ब्लैकमेल किया जा रहा है। दरअसल,

सामान्य प्रशासन विभाग ने 10 मार्च, 2000 से मप्र सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम-6 उपनियम (4) के बाद उपनियम 5 व 6 स्थापित किए हैं। इसके उपनियम 5 के मुताबिक कोई भी उम्मीदवार, जिसने विवाह के लिए न्यूनतम आयु से पहले विवाह कर लिया हो, किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा। वहीं उपनियम 6 कहता है कि कोई भी उम्मीदवार जिसकी दो से अधिक जीवित संतान हैं।

गलत व्याख्या से उलझ रहे सरकारी नौकरभरमार

जानकारी के अनुसार, प्रदेश में सरकारी नौकरों यानी अधिकारियों और कर्मचारियों को दो से अधिक संतान के नियमों में उलझाया जा रहा है। इसकी गलत व्याख्या कर ऐसे कर्मचारियों की पूरे प्रदेश भर में शिकायतें हो रही हैं। ब्लैकमेलिंग का भी जरिया बन गई है। यह स्थिति तब है जब कुछ मामलों में नौकरी से बर्खास्त किए गए कर्मचारियों को हाई कोर्ट से राहत मिल चुकी है। अब नियमों का गलत अर्थ निकालने और उनके दुरुपयोग की यह समस्या सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव तक पहुंच गई है। बताया जा रहा है इस सिलसिले में कर्मचारी संगठन जल्द मुख्य सचिव को भी पत्र लिखा हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग में सर्वाधिक शिकायतें

जानकारों के मुताबिक उपनियम-6 सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार की अर्हता से संबंधित है। इस नियम के लागू होने की तारीख 10 मार्च, 2000 से पहले शासकीय सेवा में कार्यरत कर्मचारियों पर यह लागू नहीं होते हैं। इन नियमों की गलत व्याख्या का बड़ा उदाहर सतना के जिला शिक्षा अधिकारी छह मार्च को जारी आदेश है। इसके जरिए देवरी करड़या के प्राथमिक शिक्षक नसीर खान को वर्ष 2000 के नियमों का हवाला देकर सेवा से हटाने के लिए कहा गया था। इसे पीड़ित ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

अक्टूबर से शुरू होगा विद्यार्थी के लिए आधार, अभियान का दूसरा चरण

दूसरे चरण में 26 लाख विद्यार्थियों के किये जायेंगे आधार अपडेट

भोपाल। प्रदेश में 26 लाख विद्यार्थी अब तक अपने आधार में आवश्यक बायोमेट्रिक अपडेट नहीं करा पाए हैं। अपडेट विद्यार्थियों के 5 वर्ष और 15 वर्ष की आयु पूरी होने पर अनिवार्य होता है। आधार में नवीनतम बायोमेट्रिक दर्ज होने के बाद ही विद्यालय प्रवेश, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर जैसी योजनाओं का लाभ विद्यार्थियों को सहज रूप से मिल सकेगा। विद्यार्थियों को शासकीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिए यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईएडीएआई) और स्कूल शिक्षा विभाग ने 18 अगस्त 2025 को ह्यविद्यार्थी के लिए आधार, अब विद्यालय के द्वार अभियान प्रारंभ किया था। अभियान के अंतर्गत सरकारी विद्यालयों में आधार नामांकन

एवं अपडेट शिविर लगाए गए थे। अब प्रदेश के सभी जिलों में एक अक्टूबर से इस अभियान का दूसरा चरण प्रारंभ किया जा रहा है। दूसरे चरण में उन विद्यालयों को प्राथमिकता दी गई है, जहाँ सबसे अधिक विद्यार्थियों के बायोमेट्रिक अपडेट लंबित हैं। साथ ही, ऐसे बड़े विद्यालयों का भी चयन किया गया है, जिनके आसपास अन्य विद्यालय भी संचालित होते हैं, जिससे अधिकाधिक विद्यार्थियों को लाभ मिल सके।

बैंककर्मियों ने धोखे में रखकर किया इंश्योरेंस और एफडी

नौरादेही टाइगर रिजर्व के विस्थापितों के साथ धोखाधड़ी

भोपाल। वीरांगना रानी दुर्गावती (नौरादेही) टाइगर रिजर्व में इन दिनों विस्थापन की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। मुआवजा हासिल करने के लिए विस्थापितों को बैंक में खाता खोलना होता है। ऐसे में एक निजी बैंक ने कथित तौर पर विस्थापितों के खाते खोलकर उनके खाते में आई रकम को बीमा पालिसी और एफडी में बदल दिया और विस्थापितों को इसकी जानकारी नहीं दी। जब विस्थापितों का पैसा कटने लगा और उन्हें पता चला कि वे धोखाधड़ी का शिकार हुए हैं तब विस्थापितों ने बैंक के बाहर हंगामा शुरू कर दिया। इस मामले में अब तक 22 शिकायतें पुलिस और प्रशासन को मिल चुकी है और एसडीएम ने मामले की जांच शुरू करवा दी है।

बिना जानकारी एफडी और इंश्योरेंस करने के आरोप

लगातार शिकायतों का सिलसिला बढता जा रहा है। प्रशासन की अब तक की जांच में सामने आया है कि विस्थापितों की जानकारी के बिना उनकी बीमा पॉलिसी बनाई गई, जिनका प्रीमियम मामूली नहीं, बल्कि बड़ी राशि है। इतना ही नही कई विस्थापितों की तो राशि की एफडी कर दी गई। आरोप हैं कि बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों ने भोलेभाले विस्थापितों को भरोसे में लिए बिना कई हजारों प्रीमियम वाला बीमा कर दिया। आरोप ये भी हैं कि सेल्फ चेक लगाकर विस्थापितों के खाते से पैसे निकाले और विस्थापितों को कुछ पता ही नहीं चला। विस्थापितों का कहना है कि हम लोगों से तो बैंक वाले ने कई कागज पर दस्तखत कराए, लेकिन बताया कुछ नहीं। चर्चा है कि बीमा टारगेट पूरा करने और प्रमोशन के फेर में बैंककर्मियों ने विस्थापितों को धोखे में रखकर उनकी बीमा पालिसी और एफडी कर दी। एसडीएम कुलदीप पाराशर एलडीएम के साथ जांच के लिए बैंक पहुंचे।

राजधानी में 1 अक्टूबर तक चलेगी बूंदाबांदी

मानसून की विदाई से पहले जमकर बरस रहा पानी

भोपाल। विदाई की बेला में भोपाल में मानसून फिर सक्रिय हुआ है। शहर में घने बादल छाए हैं। भोपाल में अच्छी बारिश हुई है। दोपहर बादल छाए और कुछ क्षेत्रों में बारिश हुई। इसके बाद रुक-रुककर बूंदाबांदी होती रही। रात 11 बजे के बाद बारिश तेज हो गई। वर्तमान में मानसून की वापसी का दौर जारी है, जबकि कई जिलों में एक बार फिर से तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी भोपाल में अधिकांश स्थानों में हल्की बरसात हुई। यहां 1 अक्टूबर तक बूदांबांदी चलने का अनुमान जताया गया है। जबकि इसके पहले प्रदेश के 11 जिलों से मानसून पूरी तरह से विदा हो चुका है, जिनमें ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, आगर-मालवा, नीमच,

ऐसे रहेगा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे के दौरान टर्फ और लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) की सक्रियता बढ़ जाएगी। इससे बारिश का दौर चलेगा। इस बीच प्रदेश के कुछ जिलों से मानसून लौट जाएगा। रविवार राजधानी में आकाश मेघमय रहेगा। इस बीच कई स्थानों में हल्की मध्यम वर्षा दर्ज की जाएगी।

भोपाल में दशहरे के बाद आरएसएस का पथ संचलन

2 अक्टूबर से शुरू होंगे कार्यक्रम

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) इस बार विजयदशमी उत्सव के बाद राजधानी भोपाल में पथ संचलन का आयोजन करने जा रहा है। संघ से जुड़ी शाखाओं के स्वयंसेवक इसमें शामिल होंगे। संघ परिवार के पदाधिकारियों ने बताया कि हर वर्ष दशहरे के मौके पर देशभर में पथ संचलन निकाले जाते हैं। इस बार भोपाल शहर में भी एक भव्य आयोजन होगा। जानकारी के अनुसार, स्वयंसेवक गणवेश में अनुशासनबद्ध तरीके से मार्च करेंगे और इसमें घर-घर जाकर लोगों को आमंत्रित भी किया जा रहा है। पिछले पंद्रह दिनों से शाखाओं में अभ्यास सत्र चल रहे हैं। डफली दल और घोष वाद्ययंत्रों की टीमों को भी तैयार किया जा रहा है। आयोजन समिति का कहना है कि इस बार पथ संचलन पहले से ज्यादा प्रभावी और आकर्षक होगा।
2 अक्टूबर से शुरू होंगे पथ संचलन जानकारी के अनुसार पथ संचलन के कार्यक्रम अलग-अलग तारीख में होंगे। इसकी शुरूआत 2 अक्टूबर से होगी। 12 अक्टूबर को मुख्य कार्यक्रम हो सकता हैं। हालांकि कार्यक्रम की तारीख एक-दो दिन में तय होगी। बता दें राजधानी भोपाल में संघ की लगभग 280 शाखाएं सक्रिय हैं। इन शाखाओं में पिछले कुछ समय से नियमित अभ्यास हो रहा है।

रेलकर्मी की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

हादसे के समय ऑन ड्यूटी था, ट्रेन से उतरते समय हुआ हादसा

भोपाल। सूखीसेवनिया के भदभदा स्टेशन पर रेलकर्मी ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय से ड्यूटी पर था, पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। रविवार की दोपहर को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।
एसआई सीएल यादव के मुताबिक अवधेश साहू पुत्र दुबेलाल साहू (40) निवासी गली नंबर पांच द्वारका नगर बजरिया में रहता था और रेलवे में की मेन के पद पर कार्यरत था। साथी के साथ भदभदा स्टेशन रविवार की सुबह पहुंचा था। यहां उसे ट्रैक चेक करना था, ट्रेन से उतरते समय ट्रेन की चपेट में आ गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। चार बेटियों का पिता था मृतक चार बेटियों का पिता था, हादसे के समय ट्रेन की गति धीमी थी। इसी दौरान उसने और साथी ने ट्रेन से उतरने का प्रयास किया। साथी उतर गया, लेकिन अवधेश का ट्रेन से उतरते समय बैलेंस बिगड़ गया। जिससे वे ट्रेन की चपेट में गया और उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद बॉडी को पीएम के लिए रवाना किया।

हाईकोर्ट ने सहायक अध्यापकों को दी बड़ी राहत

शिक्षा विभाग को तीन माह में पदोन्नति पर निर्णय लेने के निर्देश

भोपाल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने सहायक अध्यापकों को बड़ी राहत देते हुए शिक्षा विभाग को उनकी पदोन्नति पर तीन माह में विचार करने के निर्देश दिए हैं। याचिकाकर्ता राजेंद्र प्रसाद शर्मा व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने साफ किया कि याचिकाकताओं की वरिष्ठता उनकी वास्तविक नियुक्ति तिथि (पांच और सात सितंबर 1998) से मानी जाएगी। कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि विभाग को 18 रिक्त अध्यापक पदों पर तीन माह के भीतर उनके प्रमोशन पर निर्णय लेना होगा। साथ ही सभी लक्षित लाभ दिए जाएंगे, हालांकि बकाया वेतन नहीं मिलेगा। याचिकाकताओं ने 25 अगस्त 2014 में जारी विभागीय आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी पदोन्नति की मांग खारिज कर दी गई थी। उनका कहना था कि वे 1998 में शिक्षा कर्मी ग्रेड-3 के रूप में नियुक्त हुए और 2007 से सहायक अध्यापक कैडर में शामिल हुए, लेकिन विभाग ने उनकी वरिष्ठता 2001 से गिनकर पदोन्नति से वंचित कर दिया।

सरेराह युवक का मोबाइल झपटा

फरियादी के शोर मचाने पर पुलिस ने घेराबंदी की, आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। भोपाल के टीला जमालपुरा इलाके में दिन दहाड़े लूट की वारदात सामने आई है। कार में बैठे युवक के हाथ से थिंक गैस पेट्रोल पंप बैरसिया बस स्टैंड से युवक ने मोबाइल फोन झपट लिया। पीड़ित तत्काल पास खड़े पुलिसकर्मियों के पास पहुंचा। जिसके बाद सर्चिंग शुरू की गई। इस दौरान आरोपी को घटना स्थल के करीब से ही गिरफ्तार कर लिया गया। टीआई डीपी सिंह के मुताबिक दीपक साहू (22) निवासी करोंद निशातपुरा इलाके में स्थित एक गार्मेंट्स शॉप में काम करता है। रविवार की सुबह चार के साथ कार में सीएनजी भरवाने बैरसिया बस स्टैंड आया था। गैस भरवाने के बाद चाचा कार से उतारकर पेमेंट दे रहा था, इसी बीच युवक कार की अगली सीट पर बैठकर मोबाइल फोन चला रहा था। इस दौरान उसने कार का विंडो खोल रखा था। तभी एक अज्ञात युवक आया, उसने दीपक के हाथ से मोबाइल फोन झपटा और फरार हो गया। युवक ने कार से उतरकर शोर मचाया, आरोपी का पीछा किया। पास में मौजूद पुलिस को मामले की जानकारी दी। तब पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। दीपक की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

बदलते समय के साथ बदलेगी पुलिस की ट्रेनिंग

अब एआई में भी दक्ष होंगे मप्र पुलिस के जवान

भोपाल। मप्र में अब पुलिसकर्मियों को हाईटेक बनाया जाएगा। इसके लिए पुलिस जवानों को हर तकनीक में पारंगत बनाया जाएगा। बदलते समय और आज की जरूरतों को देखते हुए प्रशिक्षण का स्वरूप भी बदलेगा। साइबर अपराध से निपटने के गुर समेत उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) में भी दक्ष बनाया जाएगा। इसके लिए विशेषज्ञों की मदद से विशेष कोर्स तैयार कराया गया है। एआई से जुड़े नवाचारों की जानकारी भी रिक्रूट आरक्षियों की दी जाएगी। शारीरिक दक्षता के साथ आरक्षियों को बदले जमाने की

पुलिसिंग के अनुरूप तैयार किया जाएगा। एआई के तकनीकी उपयोग का प्रशिक्षण दिए जाने के साथ ही उन्हें एआई के माध्यम से विभिन्न विषयों का व्यावहारिक ज्ञान कराया जाएगा। गौरतलब है कि बदलते दौर के साथ पुलिस की चुनौतियां भी बदलने लगी है। परंपरागत अपराधों की जगह अब साइबर अपराधों के मामलों में तेजी से इजाफा हो रहा है। ऐसे में आने वाले पुलिस के जवानों को नई तकनीक के मुताबिक तैयार करने के लिए पहली बार पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में साइबर का विशेष पाठ्यक्रम पढ़ाया जाएगा। जिसको लेकर प्रशिक्षण शाखा द्वारा राज्य साइबर सेल के साथ मिलकर पाठ्यक्रम के दो विशेष मॉड्यूल तैयार किए हैं। जिन्हें सभी पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में पढ़ाने के लिए लागू कर दिया गया है। इसमें बेसिक कम्प्यूटिंग से एआइ और डार्क वेब की भी जानकारी दी जाएगी।

जरूरत के हिसाब कोर्स तैयार

प्रशिक्षण ले रहे नए रंगरूटों के लिए तैयार किए दोनों मॉड्यूल को रिसर्च कर तैयार किया गया है। जिसके पहले मॉड्यूल में बेसिक कम्प्यूटर के बारे में बताया गया है। जिसमें एक्सल, पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के के कम्प्यूटर के बुनियादी हार्ड वेयर पार्ट और सॉफ्टवेयर की जानकारी दी जाएगी। इसके लिए साथ ‹बकायदा चैप्टर ग्राफिक्स के साथ दूसरे भाग को हाईटेक रखा गया है। इसमें साइबर से जुड़ी तमाम छोटी बड़ी जानकारी जैसे हैकिंग, सुरक्षा, डार्क वेब सहित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शामिल किया गया है। पुलिस में भर्ती होने वाले जवानों को ट्रेनिंग में साइबर सुरक्षा की बारीकियां सिखाने पर जोर दिया है। ताकि नए जवान तकनीकी रूप से दक्ष हों और आधुनिक अपराध पर नियंत्रण पाया सकें। एडीजी प्रशिक्षण शाखा राजाबाबू सिंह का कहना है कि नव आरक्षकों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने कोर्स डिजाइन किए। एसआई से डार्कवेब की ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि वे आगे चलकर ऐसे अपराधों से लड़ सकें। हर जवान बनेगा साइबर वॉरियर साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए मध्य प्रदेश के पुलिस कर्मियों को भी इससे निपटने के लिए साइबर फाइटर बनाया जा रहा है। मध्य प्रदेश पुलिस में भर्ती हो रहे सभी पुलिसकर्मियों को साइबर अपराधों से निपटने की बारीके से अध्ययन कराया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के शिकागो में इमिग्रेशन दफ्तर के बाहर प्रदर्शन, फेडरल एजेंट्स ने आंसू गैस और पेपर बॉल्स दागे

शिकागो, एजेंसी। अमेरिका के शिकागो में शुक्रवार को इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इन्फोर्समेंट ऑफिस के बाहर हिंसक झड़प हुई। करीब 100 लोग हिरासत केंद्र की खराब हालत के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने रास्ता रोक दिया, जिससे फेडरल एजेंट्स ने आंसू गैस और पेपर बॉल्स चलाए। कई लोग घायल हुए और एक-दूसरे की आंखों में पानी डालकर मदद करते दिखे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि हिरासत में रहने वालों को खाने-पीने और दवाइयों की कमी है। आईसीआई ने कहा कि प्रदर्शनकारी गेट ब्लॉक कर रहे थे और एक के पास हथियार मिला।

ओबामा-क्लिंटन के वकील बार्नेट का निधन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में बराक ओबामा और मिशेल ओबामा, हिलेरी क्लिंटन समेत दर्जनों नेताओं का प्रतिनिधित्व कर चुके वाशिंगटन के एक प्रभावशाली वकील रॉबर्ट बी. बार्नेट का 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बार्नेट की कार्यकारी सहायक एश्ले डफी ने बताया कि बृहस्पतिवार की रात उनका निधन हो गया। बार्नेट उच्चस्तरीय लॉ फर्म विलियम्स एंड कोनोली में साझेदार थे और 20 से अधिक वर्षों तक वाशिंगटन के अभिजात वर्ग और न्यूयॉर्क के प्रकाशकों के बीच मध्यस्थ के रूप में उनकी हैसियत के आसपास भी कोई नहीं पहुंचा। 1990 के दशक की शुरुआत से ओबामा प्रशासन के अंत तक, 2017 में बार्नेट ने लगातार तीन राष्ट्रपतियों और प्रथम महिलाओं - क्लिंटन, जॉर्ज डब्ल्यू और लॉरा बुश और ओबामा और शेष ए-सूची के अधिकांश राजनीतिक खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व किया।

खैबर पख्तूनख्वा में दुर्घटना, एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत

क्वेटा, एजेंसी। बचाव अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में एक सड़क हादसे में एक ही परिवार के 11 सदस्यों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। यह हादसा डेरा इस्माइल खान जिले में एक वाहन के ब्रेक फेल हो जाने से हुआ। वाहन झोब जिले से डेरा इस्माइल खान जा रहा था। घटनास्थल से सात शव बरामद हुए हैं, जिनमें पांच महिलाएं, एक पुरुष और एक बच्चा शामिल है। तीन घायल अस्पताल भेजे गए।

माइक्रोसॉफ्ट ने इस्राइल में घटाई क्लाउड और एआई उत्पादों की सेवा

येरूशलम, एजेंसी। माइक्रोसॉफ्ट ने इस्राइली सेना की एक यूनिट को अपनी कुछ सेवाएं देनी बंद कर दी हैं। कंपनी ने दावा किया है कि इस्राली सेना उसकी क्लाउड कंप्यूटिंग और एआई का इस्तेमाल गाजा में फलस्तीनियों के सर्विलांस के लिए कर कर रहा था। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा, इस्राइल गाजा में कई बार हमले करने के लिए उसकी तकनीक का इस्तेमाल करता है ऐसे में इन सेवाओं पर रोक लगा देना जरूरी है। अध्यक्ष ब्रैड स्मिथ ने कहा, सेवाओं के नियमों के लिए ही यह कदम उठाया गया है।

नेपाल में सुरक्षाबलों की गोलियों से मारे गए थे 33 लोग

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में इस महीने हुए भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों पर बड़ा खुलासा हुआ है। त्रिभुवन विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन की फॉरेंसिक रिपोर्ट में पता चला कि 33 प्रदर्शनकारियों की मौत गोली लगने से हुई थी, जो घातक हथियारों से चलाई गई थीं। यह पहला आधिकारिक प्रमाण है कि सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर असली गोलियों का इस्तेमाल किया था। संस्थान के महाराजगंज मेडिकल कैंपस में 47 शवों का पोस्टमार्टम हुआ। फॉरेंसिक विभाग के सदस्य ने बताया कि 34 शवों में गोलियों के जख्म पाए गए। इनमें 10 को सिर में, 18 को सीने में, चार को पेट में और दो को गले में गोली लगी थी। केवल एक व्यक्ति को रबर बुलेट लगी थी। हिंसक प्रदर्शनों में 74 लोगों की मौत हुई थी।

रूस ने डीजल और पेट्रोल के निर्यात पर लगाया आंशिक प्रतिबंध

यूक्रेनी ड्रोन हमलों के बाद लिया फैसला

यूक्रेन, एजेंसी। यूक्रेन के ड्रोन हमलों के कारण रूस की तेल शोधन (रिफाइनिंग) क्षमता में भारी गिरावट आई है। कुछ दिनों में ही यह गिरावट लगभगत पांचवां हिस्सा तक पहुंच गई, जिससे रूस के प्रमुख बंदरगाहों से ईंधन का निर्यात भी प्रभावित हुआ है। इन हालात के बीच रूस ने डीजल और पेट्रोल के निर्यात पर आंशिक प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है, जो साल के अंत तक लागू रहेगा। उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने गुरुवार को यह घोषणा की। नोवाक ने कहा, हम पेट्रोल निर्यात पर प्रतिबंध को साल के अंत तक बढ़ाएंगे और डीजल ईंधन के गैर-उत्पादकों के लिए निर्यात पर भी प्रतिबंध लगाया जाएगा। इससे घरेलू बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति बढ़ेगी। उन्होंने यह भी बताया कि देश में तेल उत्पादों की थोड़ी कमी है, लेकिन मौजूदा भंडार से मांग पूरी नहीं की जा सकती है।

इस बीच, रूस के नियंत्र वाले क्रीमिया के प्रमुख सर्गेई अक्स्योनोव ने बताया कि ईंधन की आपूर्ति में बाधा रिफाइनरियों के बंद होने के कारण आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, डीजल निर्यात पर लगा नया प्रतिबंध मुख्य रूप से बिचौलियों पर लागू होता है, न कि उत्पादकों पर। लेकिन रूस से डीजल का बड़ा हिस्सा सीधे उत्पादकों द्वारा उत्तरी और दक्षिण पाइपलाइनों के जरिये बाल्टिक और काला सागर के बंदरगाहों तक पहुंचाया जाता है।

2024 में रूस ने लगभग 86 मिलियन मीट्रिक टन डीजल का उत्पादन किया, जिसमें से करीब 31 मिलियन टन का निर्यात हुआ। समुद्री मार्ग से डीजल निर्यात करने वाले देशों में रूस और अमेरिका शीर्ष पर रहे हैं। वहीं, पेट्रोल के निर्यात पर लगा प्रतिबंध उत्पादकों और बिचौलियों दोनों पर लागू होगा। हालांकि, यह प्रतिबंध अन्य देशों के साथ रूस के अंतर-सरकारी समझौतों पर लागू नहीं होगा।

रूस में ईंधन की कमी तेजी से बढ़ रही है। स्थानीय रिपोर्ट के मुताबिक, देश की दूसरी सबसे बड़ी तेल कंपनी लुकोइल ने मॉस्को के कुछ पेट्रोल पंपों पर जैरी कैन (डिब्बे) में पेट्रोल बेचने पर रोक लगा दी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी तेल की खरीद पर आपत्ति जता रहे हैं।

भारत की वसुधैव कुटुंबकम की सोच वैश्विक चुनौतियों का हल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत में संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर, शॉम्बी शार्प ने भारत की वैश्विक मंच पर बढ़ती ताकत की खुलकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया में भू-राजनीति, विकास और शांति स्थापना में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने वसुधैव कुटुंबकम यानी दुनिया एक परिवार है की भारतीय सोच को आज की वैश्विक चुनौतियों का हल बताया। उन्होंने कहा, भारत अब वैश्विक स्तर पर बेहद अहम भूमिका निभा रहा है। हमें भारत जैसे नेतृत्व और वसुधैव कुटुंबकम की भावना की जरूरत है।

गरीबी उन्मूलन से लेकर चांद तक की उड़ान: शॉम्बी शार्प ने भारत की ताकत का जिक्र करते हुए कहा कि यह देश एक ओर चांद पर पहुंच रहा है और दूसरी ओर करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने के लिए नए रास्ते खोज रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के ये अनुभव खासकर ग्लोबल साउथ यानी विकासशील देशों के लिए बेहद उपयोगी हैं।

भारत नवाचार में भी अग्रणी- शॉम्बी शार्प : उन्होंने बताया कि भारत नवीकरणीय ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने कहा, भारत नवीकरणीय ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में अद्भुत गति से निवेश और नवाचार कर रहा है। यह दुनिया के लिए एक बड़ा उदाहरण है।

आतंकवाद और शांति स्थापना में भारत की अहम भूमिका: शॉम्बी शार्प ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और संयुक्त राष्ट्र के मजबूत सहयोग पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत और संयुक्त राष्ट्र ने आतंकवाद विरोधी उपायों पर मिलकर नजदीकी से काम किया है। भारत की शांति स्थापना में भूमिका पर उन्होंने पीएम मोदी के उस बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने भारत को शांति का पक्षधर बताया था। उन्होंने कहा कि भारत शुरू से ही यूएन शांति सेना में सबसे ज्यादा सैनिक और नागरिक कर्मी भेजने वाला देश है। इस दौरान शॉम्बी शार्प ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के जी-20 बैठक में दिए गए भाषण की सराहना की। जयशंकर ने कहा था कि शांति और विकास एक-दूसरे से जुड़े हैं, न शांति के बिना विकास संभव है और न विकास के बिना शांति।

मस्क का अरबपति अय्याशों की लिस्ट में आया नाम

न्यूयॉर्क, एजेंसी।
टेस्ला और एक्स (पूर्व ट्विटर) के सीइओ एलन मस्क का नाम हाल ही में सार्वजनिक हुई सेक्स ट्रैफिकिंग रिंग की जेफ्री एपस्टीन फाइल्स में आया है। इन दस्तावेज़ों में कथित तौर पर मस्क और एपस्टीन के बीच संपर्क का जिक्र है। दस्तावेज़ों की नई खेप के बाद अमेरिकी राजनीति में हलचल मची है, लेकिन मस्क ने इस मामले पर स्पष्ट खंडन किया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी हाउस ओवरसाइट कमेटी को सौंपे गए दस्तावेज़ों में दिसंबर 2014 का जिक्र है, जिसमें कहा गया कि मस्क को एपस्टीन के निजी आइलैंड पर बुलाया गया था। दस्तावेज़ों में एक हाथ से लिखा नोट भी शामिल है- क्या यह अब भी होने वाला है? एलन मस्क ने इस पूरे मामले पर सोशल मीडिया पर जवाब देते हुए लिखा ये झूठ है। उन्होंने इसके अलावा कोई टिप्पणी नहीं की। सोशल मीडिया पर इस खबर को लेकर बहस और प्रतिक्रियाएँ तेजी से फैल रही हैं।एक्स (पूर्व ट्विटर) पर कई यूजर्स ने आरोप लगाया कि मीडिया बार-बार मस्क को निशाना बना रही है। कुछ ने कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी और उससे जुड़े मीडिया समूह मस्क को खतरा मानते हैं क्योंकि वह भ्रष्टाचार और प्रचारित नैरेटिव को उजागर करते हैं। इस अंतरराष्ट्रीय सेक्स ट्रैफिकिंग रिंग में केवल एलन मस्क ही नहीं, बल्कि अन्य बड़े नाम भी जुड़े हैं जिनमें ट्रंप के समर्थक पीटर थेल सिलिकॉन वैली के चर्चित कारोबारी और निवेशक, PayPal और Palantir के को-फाउंडर, स्टीव बेनन पूर्व व्हाइट हाउस चीफ स्ट्रैटेजिस्ट और Breitbart News के प्रमुख भी शामिल हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि यह फाइल्स अमेरिकी राजनीति और टेक इंडस्ट्री के बड़े नामों के लिए नए सवाल और आलोचनाओं का द्वार खोल सकती हैं।

हाइब्रिड मॉडल से चल रहा है पाकिस्तान

सेना और सरकार मिलकर करते हैं शासन, ख्वाजा आसिफ का कबूलनामा

इस्लामाबाद / वॉशिंगटन , एजेंसी।
पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुले तौर पर स्वीकार किया है कि देश में शासन का संचालन हाइब्रिड मॉडल के तहत होता है, जहां सेना और नागरिक सरकार मिलकर फैसले लेती है। आसिफ ने यह बयान एक पत्रकार को दिए एक साक्षात्कार में दिया है। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान की सत्ता में सेना का दखल है और निर्णय सहमति से लिए जाते हैं।

पाकिस्तान में सेना प्रमुख का प्रभाव इतना ज्यादा क्यों?: जब ख्वाजा आसिफ से पूछा गया कि पाकिस्तान में सेना प्रमुख का प्रभाव इतना ज्यादा क्यों है कि रक्षा मंत्री भी उसके अधीन दिखाई देते हैं। इस पर आसिफ ने कहा, यह पूरी तरह समान नहीं है, लेकिन फैसले सहमति से लिए जाते हैं। हम असहमत हो सकते हैं, लेकिन अंत में सामूहिक निर्णय ही लागू होता है। जब उनसे तुलना की गई कि अमेरिका में रक्षा मंत्री के पास जनरलों को बर्खास्त करने का अधिकार होता है, जबकि पाकिस्तान में

ऐसा नहीं है, तो आसिफ ने अमेरिका की व्यवस्था को डीप स्टेट कहकर टाल दिया।

पहले भी हाइब्रिड शासन की तारीफ कर चुके हैं आसिफ

पाकिस्तानी अखबार के मुताबिक, आसिफ ने पहले भी इस हाइब्रिड शासन प्रणाली की तारीफ करते हुए इसे पाकिस्तान की आर्थिक और प्रशासनिक समस्याओं को हल करने के लिए व्यावहारिक आवश्यकता बताया था। उनका कहना था कि यह आदर्श लोकतंत्र नहीं है, लेकिन मौजूदा हालात में यही व्यवस्था देश के लिए बेहतरीन काम कर रही है।

इस दौरान ख्वाजा आसिफ से पाकिस्तान के अमेरिका और चीन के बीच संतुलन पर भी सवाल पूछा गया। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की मेजबानी की थी। इस पर पूछा गया कि क्या अमेरिका से बढ़ते संबंध चीन के साथ पाकिस्तान की दोस्ती को प्रभावित करेंगे।

आसिफ ने कहा कि चीन को इस बात की कोई चिंता नहीं है। हमारा चीन के साथ संबंध दशकों पुराना और भरोसेमंद है। चीन हमारे हथियारों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। हमारी वायुसेना, पनडुब्बियां और कई बड़े रक्षा उपकरण वहीं से आते हैं। अमेरिका जैसे देशों की अविश्वसनीयता की वजह से चीन के साथ हमारा सहयोग और भी मजबूत हुआ है। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान का रणनीतिक भविष्य चीन के साथ ही जुड़ा हुआ है, हालांकि अमेरिका के साथ संबंध लेन-देन वाले और थोड़े चोचलेबाजी जैसे रहे हैं। आसिफ ने सऊदी अरब के साथ हाल ही में हुए समझौते पर भी बात की। इस समझौते के तहत किसी एक देश पर हमले को दोनों पर हमला माना जाएगा। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि क्या पाकिस्तान की परमाणु सुरक्षा छत्रछाया सऊदी अरब को भी कवर करेगी, तो उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट से ट्रंप को राहत, फंडिंग पर रोक का फैसला बरकरार रखा, अरबों डॉलर की विदेशी मदद पर संकट

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को राहत मिली है। अदालत ने ट्रंप प्रशासन को लगभग 5 अरब डॉलर की विदेशी सहायता पर रोक लगाने के आदेश को आगे बढ़ा दिया है। यह कदम राष्ट्रपति पद के अधिकारों को लेकर चल रहे विवाद में ट्रंप को एक और बड़ी जीत दिलाता है।

अदालत के रूढ़िवादी बहुमत ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को कांग्रेस द्वारा स्वीकृत अरबों डॉलर की सहायता से जुड़े एक मामले में रिपब्लिकन प्रशासन की आपातकालीन अपील को स्वीकार कर लिया। हालांकि, तीन उदारवादी न्यायाधीशों ने इसका विरोध किया। ट्रंप ने पिछले महीने कहा था कि वह यह पैसा खर्च नहीं करेंगे। उन्होंने करीब 50 साल पहले इस्तेमाल की गई विवादित सांविधानिक शक्ति का हवाला दिया।

निचली अदालत ने ट्रंप के फैसले को अवैध करार दिया था: अमेरिकी जिला न्यायाधीश आमिर अली ने ट्रंप के फैसले को अवैध करार दिया था और कहा था कि फंडिंग रोकने के लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी है। इस न्याय विभाग ने उच्च न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग की। हालांकि, वाशिंगटन स्थित संघीय अपील अदालत ने भी न्यायाधीश अली के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। लेकिन मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने 9 सितंबर को आदेश पर अस्थायी रोक लगा दी, जिसे अब पूर्ण न्यायालय ने अनिश्चितकाल तक बढ़ा दिया है।

पहली भी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को दी है राहत : यह पहली बार नहीं है जब सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को राहत दी है। पहले भी कोर्ट ने आपातकालीन अपीलों पर ही प्रवासियों की सुरक्षा खत्म करने, हजारों संघीय कर्मचारियों को हटाने, ट्रांसजेंडर सैनिकों को सेना से निकालने और स्वतंत्र सरकारी एजेंसियों के प्रमुखों को हटाने की अनुमति दी थी। हालांकि ये सभी कानूनी जीतें अंतिम फैसला नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने 28 अगस्त को हाउस स्पीकर माइक जॉनसन को पत्र लिखकर कहा था कि वह 4.9 अरब डॉलर की कांग्रेस से मंजूर विदेशी मदद खर्च नहीं करेंगे। इसके लिए उन्होंने पॉकेट रिसीशन (अधिनियम रद्दीकरण) नाम की दुर्लभ प्रक्रिया अपनाई। इसके तहत राष्ट्रपति बजट वर्ष के आखिर में कांग्रेस से अनुरोध कर सकता है कि स्वीकृत पैसा खर्च न किया जाए। लेकिन बजट वर्ष खत्म होने से पहले 45 दिन की मंजूरी की अवधि पूरी नहीं होती, जिससे व्हाइट हाउस का दावा है कि पैसे खर्च न करने का अधिकार मिल जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि विदेश नीति पर राष्ट्रपति की शक्तियां इस मामले में अहम हैं। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यह अंतिम फैसला नहीं है। जज एलेना कागन ने असहमति जताते हुए कहा, इस फैसले का असर यह होगा कि पैसा अपने असली लाभार्थियों तक कभी नहीं पहुंचेगा, क्योंकि बजट वर्ष खत्म होते ही यह फंड हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा। उनके साथ जज सोनिया सोटोमेयर और केतनजी ब्राउन जैक्सन भी शामिल हुईं।

9 महीने में 28 हजार से ज्यादा भूकंप के झटके

सेंटोरिनी, एजेंसी। ग्रीस का प्रसिद्ध सेंटोरिनी द्वीप इस साल लगातार भूकंपों की झलकियों से हिल उठा। सिर्फ 9 महीनों में 28,000 से ज्यादा भूकंप दर्ज किए गए, जिससे द्वीपवासी और पर्यटक दोनों ही डर और आश्चर्य में थे। वैज्ञानिकों ने अब इस असामान्य गतिविधि का रहस्य सुलझा लिया है। उनका कहना है कि इन भूकंपों की मुख्य वजह पृथ्वी की गहराई से ऊपर उठता मैग्मा है। यह मैग्मा चट्टानों को तोड़ता है और रास्ते बनाता है, जिससे तेज झटके महसूस होते हैं।

वैज्ञानिकों ने सेंटोरिनी और इसके सात किलोमीटर दूर स्थित कोलुम्बो अंडरवाटर ज्वालामुखी में लगाए गए उपकरणों से डेटा इकट्ठा किया। इस डेटा का विश्लेषण करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया गया। इसके माध्यम से भूकंपों की गति और पैटर्न को समझा गया। लर्म्स के जियोफिजिस्ट डॉ. मारियस इस्केन ने बताया कि मैग्मा ऊपर उठते समय चट्टानों को तोड़ता है और इससे भूकंप के तेज झटके महसूस होते हैं। उनका विश्लेषण बताता है कि मैग्मा का रास्ता और गति अब वैज्ञानिकों के लिए पहले से कहीं अधिक स्पष्ट हो गई है।

सेंटोरिनी क्षेत्र सक्रिय भूगर्भीय दरारों से होकर गुजरता है। भूमध्यसागर के नीचे मौजूद माइक्रोप्लेट्स खिसकते हैं, जिससे धरती की सतह टूटती है। प्लेटों के धंसने और पिघलने के कारण ज्वालामुखी गतिविधि भी होती है। सेंटोरिनी पहले भी कई बार ज्वालामुखी विस्फोटों का गवाह रहा है। 1956 में यहाँ दो बड़े भूकंप आए थे, जिनकी तीव्रता क्रमशः 7.4 और 7.2 रिक्टर थी, और इसके चलते सुनामी भी आई थी।

2025 के भूकंप और मैग्मा की गतिविधि

जुलाई 2024 में मैग्मा सेंटोरिनी के नीचे उथले हिस्से तक पहुंचा और कुछ सेंटीमीटर ऊपर उठ गया। जनवरी 2025 में यह और ऊपर उठने लगा, जिससे लगातार भूकंप शुरू हो गए। वैज्ञानिकों ने बताया कि लगातार भूकंपों की वजह से मैग्मा का केंद्र 18 किलोमीटर गहराई से ऊपर उठकर केवल 3 किलोमीटर नीचे तक आ गया। यही प्रक्रिया इस साल रिकॉर्ड किए गए 28,000+ भूकंपों की मुख्य वजह बनी।

वैज्ञानिकों की बड़ी खोज

इस रिसर्च ने सेंटोरिनी के भूगर्भीय रहस्य को सुलझाने में मदद की है। अब यह स्पष्ट हो गया है कि भूकंप केवल प्लेट मूवमेंट या प्राकृतिक विस्फोटों की वजह से नहीं, बल्कि नीचे से उठते हुए मैग्मा की वजह से भी हो सकते हैं। इस जानकारी से भविष्य में भूकंप चेतावनी और ज्वालामुखी निगरानी प्रणाली को और सटीक बनाने में मदद मिलेगी। डॉ. इस्केन ने यह भी बताया कि मैग्मा की गति और रास्ते को समझने से वैज्ञानिक अब यह अनुमान लगा सकते हैं कि किस इलाके में भूकंप या ज्वालामुखी गतिविधि तेज हो सकती है। यह जानकारी स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। हालांकि सेंटोरिनी एक खूबसूरत द्वीप है, यह भूगर्भीय गतिविधियों की वजह से हमेशा संवेदनशील रहा है। लगातार भूकंप और ज्वालामुखी खतरे के बीच, वैज्ञानिक और प्रशासन मिलकर यहां की सुरक्षा और

विवादित समुद्री सीमा में घुसा उत्तर कोरियाई जहाज

दक्षिण कोरिया ने की गोलियों की बौछार तो लौटा वापस

सियोल, एजेंसी।
दक्षिण कोरिया की सेना ने शुक्रवार तड़के चेतावनी गोलियां चलाकर एक उत्तर कोरियाई व्यापारी जहाज को खदेड़ दिया, जो दोनों देशों के बीच विवादित पश्चिमी समुद्री सीमा को पार कर गया था। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 5 बजे बैंगनयोंग द्वीप के पास हुई। सेना ने पहले जहाज को ऑडियो संदेश के जरिए चेतावनी दी और फिर चेतावनी गोलियां चलाईं, जिसके बाद जहाज तुरंत लौट गया।

समुद्री सीमा की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार- दक्षिण कोरिया: अभी तक यह जानकारी नहीं मिली है कि उत्तर कोरिया ने गोलीबारी का जवाब दिया या किसी तरह की ताकत का इस्तेमाल किया। वहीं दक्षिण कोरिया ने कहा कि यह कार्रवाई तय सैन्य प्रक्रिया के तहत की गई और सेना अपनी समुद्री सीमा की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है।

नॉर्दर्न लिमिट लाइन है विवाद की वजह: दोनों देशों के बीच यह समुद्री सीमा, जिसे नॉर्दर्न लिमिट लाइन (एनएलएल) कहा जाता है, ठीक से चिह्नित नहीं है। इस वजह से यहां अक्सर टकराव की घटनाएं होती रहती हैं। 2010 में उत्तर कोरिया ने एक दक्षिण कोरियाई द्वीप पर गोलाबारी की थी और एक नौसैनिक जहाज पर कथित तौर पर टॉरपीडो हमला किया था, जिनमें 50 दक्षिण कोरियाई नागरिक मारे गए थे। बता दें कि, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने जनवरी 2024 में कहा था कि उनका देश इस सीमा को मान्यता नहीं देता। उनका दावा है कि वास्तविक सीमा और आगे दक्षिण कोरिया

के नियंत्रण वाले समुद्री क्षेत्र में आती है। इससे पहले 2022 में भी दोनों देशों ने चेतावनी गोलियां चलाई थीं, जब एक उत्तर कोरियाई व्यापारी जहाज ने इसी समुद्री सीमा को पार किया था। फिलहाल, कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव लगातार बढ़ रहा है। उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया की बातचीत फिर से शुरू करने की अपील को नजरअंदाज कर रहा है और किम जोंग उन लगातार अपने हथियार कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं। इसके साथ ही, फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से उत्तर कोरिया और रूस के बीच संबंध भी और गहरे हो गए हैं।

फिर लौट आया कोरोना... इस देश में फैल रहा वायरस का नया वेरिएंट

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पिछले कुछ सालों में कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को मौत के मुंह में डाल दिया था। हालांकि वैक्सीन और इलाज ने लोगों को राहत दी, लेकिन वायरस के नए वेरिएंट चिंता का कारण बने हुए हैं। हाल ही में कोरोना का नया वेरिएंट ड्रूस्त्रत या स्ट्रेटस सामने आया है, जो इस साल जनवरी में सबसे पहले दक्षिण-पूर्व एशिया में पाया गया था और अब कई देशों में फैल चुका है। विशेषज्ञों के अनुसार इसके मामले लगातार बढ़ रहे हैं और सतर्कता बरतना जरूरी है। स्ट्रेटस वेरिएंट जनवरी 2025 में दक्षिण-पूर्व एशिया में पाया गया।

मध्यप्रदेश अग्रवाल महिला महासभा के तत्वावधान में दमोह में मां दुर्गा आराधना एवं गरबा नाइट का आयोजन

नगर प्रतिनिधि | दमोह

मध्यप्रदेश अग्रवाल महिला महासभा की दमोह इकाई द्वारा शुक्रवार को मां दुर्गा की आराधना एवं गरबा नाइट का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश मित्तल रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश के सांस्कृतिक एवं पर्यटन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने की। इस अवसर पर दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी, विधायक जयंत मलैया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजीता गौरव पटेल, जनपद अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राजू ठाकुर एवं भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश मित्तल के साथ मुख्य सलाहकार सुरेश गोयल (इंदौर) प्रांतीय

वरिष्ठ उपाध्यक्ष नितिन कुमार गुप्ता (भोपाल)

वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुमित गर्ग तथा महिला महासभा की संरक्षक श्रीमती शारदा मित्तल का दमोह बाईपास पर भव्य स्वागत किया गया। बाल अतिथि के रूप में मुरैना से लक्ष्य मित्तल और भोपाल से बाल चित्रकार शीतल गुप्ता उपस्थित रही। तत्पश्चात होटल सनराइज रेजिडेंसी में बैठक आयोजित कर महासभा को सशक्त बनाने संबंधी दिशा-निर्देश दिए गए। उनकी उपस्थिति का मुख्य प्रभाव यह रहा कि दमोह के इतिहास में पहली बार मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा की पुरुष इकाई का गठन हुआ, जिसमें राजेन्द्र अग्रवाल अध्यक्ष, अतुल अग्रवाल उपाध्यक्ष, अशोक अग्रवाल महामंत्री और रमेश अग्रवाल कोषाध्यक्ष बने। इसी प्रकार युवा इकाई का भी गठन हुआ जिसमें अभिनव अग्रवाल अध्यक्ष, शिवम अग्रवाल उपाध्यक्ष, योगेश अग्रवाल महामंत्री और शुभम अग्रवाल कोषाध्यक्ष बनाए गए। कार्यक्रम की शुरुआत मां दुर्गा की आरती एवं दीप प्रज्वलन से हुई। गरबा नृत्य प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र, श्रीफल एवं मोमेंटो प्रदान कर किया गया। विशेष सत्र में कैलाश मित्तल का जीवन परिचय प्रस्तुत किया गया और उन्होंने मंच से विशिष्ट अतिथियों को सम्मानित किया। महिला महासभा की ओर से प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रमा अग्रवाल ने कार्यक्रम का निर्देशन किया। इस दौरान महिला महासभा की पदाधिकारी श्रीमती अनुलेखा अग्रवाल जिला अध्यक्ष, श्रीमती अंजलि नगर अध्यक्ष, श्रीमती किरण सुरेखा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महामंत्री, श्रीमती अंजलि उपाध्यक्ष, श्रीमती मंजू सचिव, श्रीमती वंदना सह सचिव, श्रीमती ज्योति जिला मंत्री, श्रीमती अर्चना सांस्कृतिक मंत्री, श्रीमती सुषमा, श्रीमती गीता और श्रीमती रूपा उप मंत्री, जबकि श्रीमती निशा एवं श्रीमती रिद्धि मीडिया प्रभारी के रूप में सक्रिय रहीं। कार्यक्रम का संचालन सारा अग्रवाल एवं सुमित जैन ने किया। इस अवसर पर वृंदावन से पधारे श्री दीपांशु राधारमन ने भक्ति प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में राकेश अग्रवाल अध्यक्ष अग्रवाल समाज दमोह, जीवनलाल अग्रवाल अध्यक्ष राधारमन ट्रस्ट सहित गणमान्य अग्रवाल बंधु एवं राजा अग्रवाल परिवार उपस्थित रहे। अंत में प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रमा अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अपेक्स बैंक एवं सहकारी विचार मंच के संयुक्त तत्वावधान में संगोष्ठी आयोजित

सहकारिता क्षेत्र में माईक्रो फायनेंस के प्रयास अत्यन्त सराहनीय : व्ही.जी.धर्माधिकारी

भोपाल । अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष, 2025 के दौरान अपेक्स बैंक एवं सहकारी विचार मंच के संयुक्त तत्वावधान में समन्वय भवन के सभागार में बैंकिंग क्षेत्र में नये परिवेश में राष्ट्रीयकृत एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के सामने सहकारी बैंकों के लिए उपस्थित चुनौतियों एवं उनके निराकरण की दिशा में उचित प्रबंधन के माध्यम से किस प्रकार अधिक से अधिक लोगों को माईक्रो फाईनेंस करते हुए सहकारी आन्दोलन से जोड़कर अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को सूक्ष्म वित्त सुविधा का लाभ प्रदान किया जा सके, इस विषय पर सम्बोधित करते हुये मैनिट की सहायक प्राध्यापक डॉ.जागृति गुप्ता ने कहा कि मध्यप्रदेश में विविध संस्कृति एवं बोलचाल क्षेत्रीय आधार पर विद्यमान हैं, अतः उपयुक्त होगा कि सेल्फ हेल्प ग्रुप (एस.एच.जी) एवं अन्य समूहों के माध्यम से गरीब तबके तक सूक्ष्म वित सहायता की सुविधा आंगनबाड़ियों, एनजीओ एवं अन्य लोकल समूह के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करके प्रदान करायी जा सकती है। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म वित्त (माईक्रो फायनेंस) ने सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान को प्रत्यक्ष रूप से जन्म दिया है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था के परिवर्तन को तीव्र व स्थायी रूप से गति भी प्रदान की है। सहकारी विचार मंच के अध्यक्ष मध्यप्रदेश के पूर्व सचिव, सहकारिता श्री व्ही.जी. धर्माधिकारी ने कहा कि मध्यप्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध है और आज के परिदृश्य में उत्तम ढंग से उपलब्ध तकनीक के माध्यम से सूक्ष्म वित्त (माईक्रो फायनेंस) के क्षेत्र में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का जो काम किया जा रहा है, वह अत्यन्त सराहनीय है।

अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री मनोज गुप्ता ने बताया कि मैंने अपेक्स बैंक में विगत लगभग डेढ़ वर्ष के दौरान बेहतर मानव संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किए हैं, जिन्हें म.प्र.शासन के सहयोग से पूर्ण करने में मुझे सफलता भी प्राप्त हुई है और अपेक्स बैंक व जिला बैंकों के लिये नवागत अधिकारियों व कर्मचारियों को बैंकिंग व अन्य समस्त प्रकार के प्रशिक्षण के माध्यम से पारंगत करने हेतु भी हम प्रयासरत हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि वर्तमान में उपस्थित चुनौतियों का सुनियोजित ढंग से सामना करने के दिशा में अपेक्स बैंक निरन्तर सकारात्मक प्रयास कर रहा है और हमें पूर्ण विश्वास है कि हम शासन के नीति-निर्देशों का पालन करते हुये इसे धरातल पर उतारने में अवश्य सफल होंगे।

संगोष्ठी का संचालन अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कालेज के प्राचार्य श्री पी.एस.तिवारी द्वारा एवं आभार प्रदर्शन अपेक्स बैंक के सेवानिवृत्त महाप्रबंधक (ऋण/ परिचालन/ जनसम्पर्क) श्री एस.के.गुप्ता ने किया। संगोष्ठी में उप सचिव, सहकारिता श्री मनोज सिन्हा, पूर्व मुख्य महाप्रबंधक, अपेक्स बैंक श्री के.आर.साहू, पूर्व सलाहकार, अपेक्स बैंक श्री एल.डी.पंडित, अति.मु.कार्य.अधिकारी, जिला बैंक, उज्जैन श्री नीलेश जिंदल, शरण माईक्रो फाईनेंस कंपनी के प्रतिनिधि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। संगोष्ठी में सहकारिता विभाग एवं शीर्ष सहकारी संस्थाओं के सेवानिवृत्त व सेवारत अधिकारीगण उपस्थित हुए।

डीआरएम ने राजभाषा पखवाड़ा के समापन पर 81 रेल अधिकारी व कर्मचारियों को राजभाषा पुरस्कार से किया सम्मानित

ख्यातिलब्ध कवियों ने अपने हास्य तथा चुटीले व्यंगों से श्रोताओं का किया भरपूर मनोरंजन

भोपाल, नप्र। पश्चिम मध्य रेल भोपाल मंडल राजभाषा विभाग द्वारा दिनांक 16.09.2025 से 26.09.2025 तक आयोजित राजभाषा पखवाड़े का समापन समारोह दिनांक 26.09.2025 को मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी, अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री योगेन्द्र बघेल के मुख्य आतिथ्य में नर्मदा रेलवे क्लब ऑडिटोरियम, हबीबगंज में उल्लासपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन तथा सरस्वती वंदना के साथ किया गया। हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते अपने उद्बोधन में मंडल रेल प्रबंधक, श्री पंकज त्यागी ने कहा कि भारत, विश्व में सर्वाधिक संस्कृतियों और भाषाओं वाला देश हैं। हिंदी इसमें निस्सन्देह प्रमुख भाषा है। भारतीय रेल एवं हिंदी दोनों पूरे देश को एक सूत्र में पिरोकर रखने में महत्वपूर्ण योगदान निभा रही है।

उन्होंने बताया कि आज का युग कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी का युग है। हिंदी के क्षेत्र में भी कंप्यूटर ने भी क्रांति की है। इंटरनेट, रेलनेट, यात्री आरक्षण प्रणाली, ई-टिकट, मोबाइल द्वारा टिकट बुकिंग, ई-मेल, रेलवे की वेबसाइट, सोशल मीडिया के साधन, जैसे ट्विटर, फेसबुक ने हिंदी को विश्व पटल पर स्थान दिलाया है। उन्होंने कहा कि हिंदी का महत्त्व केवल राजभाषा में ही नहीं, बल्कि जनभाषा के रूप में भी सर्वोपरि है। भारतीय रेलवे हमारे देश में सार्वजनिक क्षेत्र का सबसे बड़ा प्रतिष्ठान है, जिसमें लगभग 14 लाख व्यक्ति काम करते हैं और लगभग 03 करोड़ यात्री प्रतिदिन उसका उपयोग करते हैं। जनसंपर्क का इससे बड़ा अन्य कोई संगठन नहीं है। इस कारण जन सेवा की हमारी जिम्मेदारियां भी अधिक हैं और हमें जनभावना का सबसे अधिक ध्यान रखना होगा

इस समारोह में माननीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव की ओर से हिंदी दिवस के अवसर पर जारी संदेश का वाचन अपर मंडल रेल प्रबंधक प्रशासन श्री अभिराम खरे द्वारा किया गया।

समारोह का मुख्य आकर्षण हास्य कवि सम्मेलन की प्रस्तुति रही। इसमें हरदा शहर के श्री मुकेश शांडिल्य, बैतूल से डॉ प्रार्थना पंडित तथा श्री अनूप धामने, इटारसी से श्री ब्रजकिशोर पटेल एवं भोपाल शहर से श्री आर पी खरे, सीनियर डीएमई की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध कवियों ने अपने हास्य तथा चुटीले व्यंगों से श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया। उन्होंने अपनी सुमधुर रचनाओं से श्रोताओं पर जो अमिट छाप छोड़ी है वह पमरे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लंबे समय तक याद रहेगी। मंडल रेल प्रबंधक एवं उपस्थितजनों द्वारा इनके काव्य पाठ की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

इस अवसर पर बर्ष भर में हिंदी में उल्लेखनीय कार्य करने बाले मंडल एवं स्टेशानों के पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री पंकज कुमार दूबे, कार्यालय अधीक्षक श्री विक्की राजा, वाणिज्य पर्यवेक्षक फहीम मुद्दीन सहित कुल 81 अधिकारियों व कर्मचारियों, को मंडल रेल प्रबंधक, श्री पंकज त्यागी द्वारा राजभाषा पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का संचालन श्री शकील अहमद, मुख्य कार्यालय अधीक्षक ने किया। आभार प्रदर्शन राजभाषा अधिकारी, श्री प्रदीप कुंडलकर ने किया।

भोपाल रेलवे स्टेशन पर आईआरसीटीसी के फूड प्लाज़ा का शुभारंभ

भोपाल, नप्र। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज़्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा भोपाल रेलवे स्टेशन पर आधुनिक फूड प्लाज़ा का शुभारंभ किया गया, जिसे एम/एस एक्सप्रेस फूड सर्विसेज़ द्वारा विकसित किया गया है। एक विशेष पहल के तहत इसका उद्घाटन एक नन्हें यात्री के हाथों हुआ। इस अवसर पर स्टेशन निर्देशक, भोपाल तथा आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, भोपाल के क्षेत्रीय प्रबंधक उपस्थित रहे।

रेल मंत्रीजी के दूरदर्शी नेतृत्व तथा आईआरसीटीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री संजय कुमार जैन के मार्गदर्शन में आईआरसीटीसी निरंतर नई पहलें कर यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएँ और उत्कृष्ट सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

152.25 वर्ग मीटर क्षेत्र में बने इस फूड प्लाज़ा में लगभग 40 यात्रियों के लिए आरामदायक बैठक व्यवस्था है। आधुनिक साज-सज्जा के साथ यहाँ यात्रियों के लिए पारंपरिक नाश्ता एवं भोजन उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उनके यात्रा अनुभव को और अधिक सुखद बनाया जा सके।

इस अवसर पर आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, मुंबई के समूह महाप्रबंधक श्री गौरव झा ने कहा:÷भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर शुरू किया गया यह फूड प्लाज़ा यात्रियों को विश्वस्तरीय सेवाएँ प्रदान करेगा और उनके यात्रा अनुभव को समृद्ध बनाएगा। पारंपरिक नाश्ता और भोजन उपलब्ध होना इस सुविधा को विशिष्ट एवं यात्री-हितैषी बनाता है।

तन, मन, धन और सबसे ऊपर वनः देवड़ा

सेवा पखवाड़े के तहत शाहपुरा मण्डल में उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने किया पौधरोपण,प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मां के नाम से एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए

भोपाल, नप्र। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा भोपाल के शाहपुरा मण्डल में सेवा पखवाड़े के तहत आयोजित एक पेड़ मां के नाम पौधरोपण में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि जिस पार्क में हम पौधरोपण कर रहे हैं, इस पार्क में हमें टेंट लगाने की कोई जरूरत महसूस नहीं हो रही हैं, क्योंकि इस परिसर के चारों ओर बड़े-बड़े वृक्ष लगे हैं। यदि यह वृक्ष नहीं होते तो यहां टेंट लगाना हमारी मजबूरी होती। वृक्षों की घनी छाया के नीचे हम बैठकर चर्चा कर रहे हैं, यह पौधरोपण की ताकत है। इसीलिए कहा गया है कि तन, मन, धन और सबसे ऊपर वन। उन्होंने आहवान किया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मां के नाम से एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 2 अक्टूरबर तक प्रदेश में सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने शाहपुरा मण्डल स्थित पार्क में पौधरोपण किया। पौधरोपण कर स्थानीय नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आहवान एक पेड़ मां के नाम पर पौधारोपण पर आज पूरा देश बड़े ही उत्साह के साथ पेड़ लगा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि स्वदेशी अपनाने का जो अभियान चल रहा है, इसका लक्ष्य है कि एक दिन भारत विश्व गुरू बने।

नाटक मैं नरक से बोल रहा हूँ का सफल मंचन

भोपाल, नप्र। थेस्पियन थियेटर भोपाल के तीन दिवसीय नाट्य समारोह के प्रथम दिवस दिनांक 26/9/25 को युवा रंगकर्मी मोहित सोनी द्वारा निर्देशित नाटक मैं नरक से बोल रहा हूँ का सफल मंचन रंग अनुभूति नाट्य संस्था द्वारा सीएम राइज़ विद्यालय भोपाल मे किया गया। निर्देशक मोहित सोनी ने बताया कि मशहूर साहित्यकार हरिशंकर परसाई की लिखी कहानियों को नाटक के रूप में प्रस्तुत करना उनके लिए एक यूनीक एक्सपीरियंस रहा। दशर्कों के समक्ष कुछ अलग प्रस्तुत करने कि कोशिश के चलते ही कुछ बेहतर रंचना उनकि रंगमंचिय यात्रा का हमेशा हिस्सा रहा हैं,यह प्रस्तुति एक व्यंग्यात्मक कटाक्ष हैं समाज के लिए।

नाटक की कहानी-मैं नरक से बोल रहा हूँ हरिशंकर परसाई द्वारा लिखी गई एक प्रसिद्ध व्यंग्य रचना है, जिसमें वे समाज के पाखंड और अमानवीय स्थितियों पर कटाक्ष करते हैं. इस कहानी में, एक मर चुका व्यक्ति खुद को नरक में पाता है और अपने कुत्ते को स्वर्ग में देखकर हैरान होता है. परसाई जी ने भूख से मरने वाले गरीब व्यक्ति और अनाज के गोदामों के बीच की विसंगति और समाज में फैले झूठ को उजागर किया है। कहानी का एक मर चुका व्यक्ति बताता है कि वह अपनी झोपड़ी में भूखे पेट मरा, जबकि उसके बगल के अमीर के पास हजारों बोरे अनाज थे. वह व्यक्ति नर्क में अपने कुत्ते को स्वर्ग में देखकर आश्चर्यचकित हो जाता है। भगवान बताते हैं कि व्यक्ति ने आत्महत्या की है, और मंत्री ने यह बात संसद में कही, जबकि व्यक्ति भूख से मरा था।परसाई जी ने इस कहानी के माध्यम से समाज में व्याप्त झूठ, गरीबी और अमीर-गरीब की खाई पर तीखे व्यंग्य किए हैं, जहाँ भूख से मरते इंसान की मौत को भी आत्महत्या बता

दिया जाता है, और किस प्रकार एक व्यक्ति कि मौत को भी हमारे देश में अलग-अलग पार्टियों के नेता-मंत्री अपने आपसी स्वार्थ को पूरा करने इस्तेमाल करते हैं वह प्रस्तुति के माध्यम से बखुबी दिखाया गया। नाटक का संगीत रिकार्डेड एंव कर्णप्रिय था जिसका संचालन रितिका बरछे द्वारा किया गया। मेकअप, कास्ट्यूम चरित्र अनुसार रखी गई, जिसे देखकर दर्शक भी अर्चभित हो गए उन्हें लगा सच में कोई भिखारी आ गया है। स्टेज डिजाइन को प्रतिकात्मक रखा गया। मंच व्यवस्था यश कपांण्डे द्वारा की गई। प्रस्तुति के समय विधालय के प्राचार्य, टीचर्स, विधार्थियों,अभिभावकों के अलावा शहर के गणमान्य नागरिकों भी उपस्थित रहे जिन्होंने प्रस्तुति को सराहा।

विद्यार्थी स्कूल में ही सीखेंगे लोकतंत्र की चुनाव प्रक्रिया

भोपाल, नप्र। राजधानी भोपाल के कमला नेहरू सांदीपनि कन्या शासकीय विद्यालय में 27 सितम्बर को आम चुनावों सा नजारा देखने को मिलेगा। सजे-धजे मतदान केन्द्र, हर केन्द्र पर श्रेणीवार मतदान अधिकारी, पंक्तिबध्द मतदाता, ईवीएम मशीनों की बीप की आवाज और तर्जनी अंगुली पर अमिट स्याही का निशान, सब कुछ आम निर्वाचन व्यवस्था अनुसार होगा। विद्यालय में छात्र परिषद का निर्वाचन भारतीय निर्वाचन प्रक्रिया के अनुसार संपन्न कराया जा रहा है। इसमें नवाचार के रूप में शासन द्वारा शिक्षकों को प्रदत्त टैब को ईवीएम मशीन के रूप में उपयोग कर मतदान कराया जायेगा। इससे पूर्व निर्वाचन प्रक्रिया के सभी चरण जैसे अधिसूचना जारी होना, प्रत्याशी नामांकन, नामांकन परीक्षण, मतदाता सूची जारी करना और मुख्य चुनाव अधिकारी, सेक्टर मजिस्ट्रेट, निर्वाचन पर्यवेक्षक, पीठासीन अधिकारी, p1, p2, p3 अधिकारी, सुरक्षा अधिकारी आदि की नियुक्ति भी की गई है। मतदान 27 सितंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक संपन्न कराया जाएगा। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती संगीता सक्सेना ने बताया कि इस प्रक्रिया को संपादित करने का उद्देश्य विद्यार्थियों को देश की लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया से परिचित कराना एवं मतदान के महत्व से अवगत कराना है।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज भोपाल में

केस स्टडी पद्धति के माध्यम से सृजनात्मक सोच बढ़ाने में एआई की भूमिका पर ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित

भोपाल। संत हिरदाराम गगर्ल्स कॉलेज, भोपाल के वाणिज्य विभाग, मैनेजमेंट सर्कल,कॉमर्स क्लब और ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा केस स्टडी पद्धति के माध्यम से सृजनात्मक सोच बढ़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका विषय पर एक ज्ञानवर्धक और विचारोत्तेजक सत्र का आयोजन किया गया। यह सत्र जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर के प्रतिष्ठित फैकल्टी सदस्य डॉ. जगदीश भागवत और डॉ. मेघा जैन द्वारा संचालित किया गया।

सत्र में वक्ताओं ने बताया कि आज नौकरी पाना अपेक्षाकृत आसान हो सकता है, लेकिन नौकरी में स्वयं को बनाए रखना और उसमें उत्कृष्टता प्राप्त करना निरंतर सृजनात्मक सोच और अनुकूलन क्षमता की मांग करता है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि एआई का व्यापक उपयोग परिवर्तनकारी तो है, लेकिन यदि सावधानीपूर्वक दृष्टिकोण न अपनाया जाए तो यह स्वतंत्र विचार और निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है। सत्र का मुख्य संदेश यह था कि एआई को को-पायलट के रूप में देखा जाना चाहिए, जो मानव निर्णय में सहायता करे, न कि ऑटोपायलट बनकर मनुष्य की सृजनात्मक सोच की जगह ले।

सत्र के दौरान छात्रों को केस स्टडी गतिविधि में भाग लेने का अवसर भी मिला, जिसके द्वारा उनकी व्यावहारिक सृजनात्मक सोच क्षमताओं को सामने लाया। इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें शुभाना खान और उनकी टीम को प्रथम स्थान, मारिया खान और उनकी टीम को द्वितीय स्थान और सानिया एवं उनकी टीम को तृतीय स्थान मिला। इसके साथ ही व्यावसायिक प्रश्नौत्तर का आयोजन किया गया जिसमें सभी छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी उपस्थित रही, जिन्होंने चर्चा की गहराई और प्रासंगिकता की सराहना की। सत्र को छात्राओं की ओर से अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई, जिसने सक्रिय शिक्षा और आत्ममंथन का वातावरण उत्पन्न हुआ।

गाली-गलौच करने पर अमाल पर बरसे सलमान

बिग बॉस 19 के वीकेंड का वार में इस बार सलमान खान ने घरवालों की जमकर क्लास ली है. वहीं कंटेस्टेंट अमाल मलिक पर इस बार डबल वार हुआ. पहले स्टेड पर बतौर गेस्ट पहुंचीं गौहर खान ने अमाल मलिक को खरी खोटी सुनाई. वहीं सलमान खान भी बिग बॉस 19 के घर के अंदर गाली-गलौच करने को लेकर उन पर खूब बरसते दिखाई दिए.सलमान खान ने कहा- अमाल जब आप घर में आए तो मैंने आपसे क्या कहा था कि आप यहां क्यों आए हो. तो आपने कहा था कि मैं अपनी इमेज साफ करने आया हूं. तो मैं आपको बता दूं कि ऐसा कुछ बिल्कुल नहीं हो रहा. आपके पापा आपकी गलतियों के लिए सबसे माफी मांगने वाले हैं. तो आप इसीलिए यहां आए थे ना. हर बात में गालियां देना और फैमिली पर जाना और आप बकवास कर रहे हैं.सलमान खान ने अमाल मलिक से आगे कहा- हम दिखा भी नहीं सकते क्योंकि वो आपको बर्बाद कर सकता है. ऑडियो तो हम बीप कर देते हैं ना. लेकिन क्या आपको समझ नहीं आता. जब आप बीप सुनते हैं तो आप समझ जाते होंगे ना कि क्या बोला होगा. आपके अमालियंस का सोचो, बचे हैं ना. आप चाहते हैं कि वो इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करें? आप चाहते हैं कि वो आपकी जैसी सोच फॉलो करें? आप उनके लिए ऐसा रोल मॉडल बनना चाहते हैं? अमाल मलिक को डांटते हुए आगे कहा- कुछ भी हो जाए, कोई असहमति हो जाए या को गलतफहमी हो जाए, सीधे कहे ना. और सॉरी मत कहे अगर आपको इस सॉरी की वैल्यू ना हो. आप सारा रायता फैलाकर कहते हैं सॉरी, इसके बाद क्या? सलमान आगे कहते हैं- मैं तुम्हें कबसे जानता हूं? कितने साल हो गए और कितने साल मैंने तुमसे बात नहीं की? इसपर अमाल ने जवाब दिया- 25 साल.सलमान खान ने अरमान मलिक के कामयाब होने और अमाल मलिक के पीछे रह जाने के बारे में भी बात की. उन्होंने कहा- कितने साल से हम साथ काम कर रहे हैं, 15 साल... जब मैं तुम्हारे लिए बात कर रहा था तो तुमलोगों को ये बात समझ नहीं. जब एक निकल गया (अरमान मलिक) और एक पीछे रह गया, तब मैंने कहा कि यही तो मैं कह रहा था तुम दोनों से. म्यूजिक के मामले तुम बहुत टैलेंटेड इंसान हो. अपना दिमाग स्ट्रॉन्ग रखो. यही तुम्हारा वक्त है और तुम नेक्स्ट लेवल तक जा सकते हो।

दुर्गा पूजा सेरेमनी में व्हाइट साड़ी में खूब जचीं रानी मुखर्जी, तो गोल्डन गर्ल बनीं काजोल

हर साल का तरह इस बार भा काजाल का फामला न दुगा पूजा क लए भव्य पडाल लगाया. जसम कई स्टार्स सजधजकर पहुंचे. बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल और रानी मुखर्जी मुंबई में हर साल मां दुर्गा का भव्य पंडाल लगाती हैं. इसी कड़ी में दोनों एक्ट्रेस और उनके परिवार ने आज यानि 27 सितंबर को दुर्गा पूजा सेरेमनी रखी. बॉलीवुड के फेमस फिल्ममेकर अयान मुखर्जी एक्ट्रेस काजोल और रानी के कजिन हैं. वो भी इस पंडाल में पहुंचे. जो इस दौरान व्हाइट कुर्ते में दिखे.दुर्गा पूजा में काजोल, रानी मुखर्जी और तनिषा मुखर्जी साड़ी में सजधज कर पहुंची. तीनों ने एकसाथ मीडिया को कई सारे पोज भी दिए.एक्ट्रेस सुमोन चक्रवर्ती भी काजोल और रानी के करीबी रिश्ते में ही हैं. वो भी पंडाल में मां दुर्गा का आशीर्वाद लेने पहुंची.दुर्गा पूजा के लिए काजोल ने गोल्डन कलर की साड़ी पहनी. इस साड़ी को एक्ट्रेस ने रेड ब्लाउज के साथ पेयर किया. एक्ट्रेस इसमें बेहद खूबसूरत लग रही हैं. वहीं रानी मुखर्जी इस दौरान व्हाइट साड़ी में अप्सरा सी सुंदर लगी. उन्होंने अपना लुक मैचिंग झुमकों और चूड़ियों के साथ कंपलीट किया.काजोल और रानी ने पंडाल में एकसाथ कई सारे पोज दिए. दोनों बहनों का ये लुक सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. फिल्म 'बॉर्डर' फेम एक्ट्रेस शरबानी मुखर्जी भी दुर्गा पूजा सेरेमनी में शामिल हुई. जो एकदम सिंपल लुक में दिखी. बता दें कि शरबानी भी काजोल की कजिन हैं।

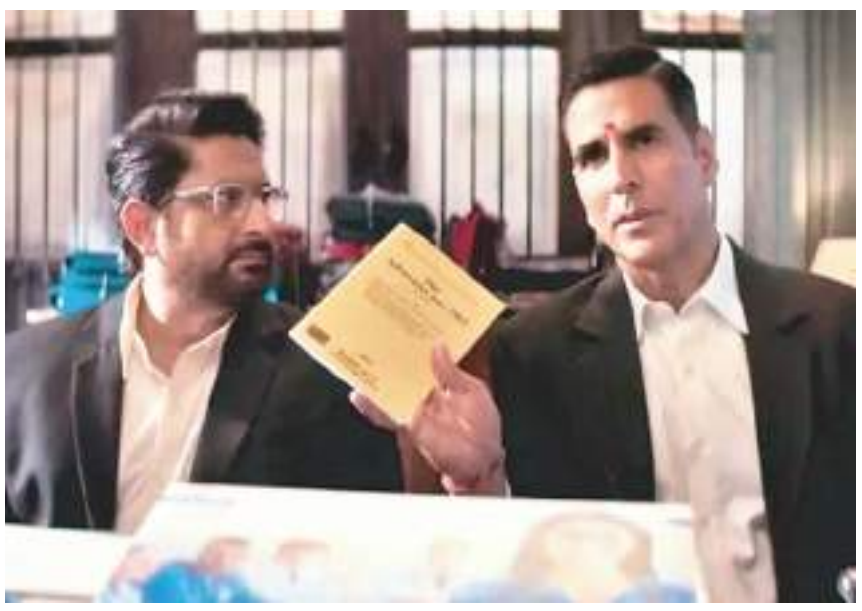

जॉली एलएलबी 3 बन गई धमाका

अक्षय कुमार और अरशद वारसी क फिल्म जॉली एलएलबी 3 19 सितंबर को रिलीज हुई. इसके बाद से ये फिल्म रुकने का नाम नहीं ले रही है. फिल्म को फैंस बहुत पसंद करते हैं. इस फिल्म में अक्षय और अरशद वकील के रोल में हैं और दोनों का नाम जॉली है. फिल्म की कहानी फैंस को पसंद आ रही है. आइए जानते हैं फिल्म ने अब तक कितनी कमाई की है. रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने दूसरे शनिवार को 6.25 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म के नौवें दिन के कलेक्शन के आंकड़े अभी ऑफिशियली सामने नहीं आए है. पर अगर फिल्म ने दूसरे शनिवार को 6.25 करोड़ की कमाई की है तो फिल्म का अभी तक का टोटल कलेक्शन 84 करोड़ हो गया है. फिल्म के रविवार को और ज्यादा कमाई करने की उम्मीदें हैं और फिल्म जल्द ही 100 करोड़ क्लब में भी एंट्री कर लेगी. जॉली एलएलबी 3 ने 12.5 करोड़ से ओपनिंग की थी. इसके बाद फिल्म ने 20 करोड़ रुपये कमाए थे. तीसरे दिन फिल्म ने 21 करोड़ का कलेक्शन किया. वीकेंड पर धमाकेदार परफॉर्मेंस के बाद फिल्म ने चौथे दिन 5.5 करोड़ का कलेक्शन किया. पांचवें दिन फिल्म ने 6.5 करोड़ का बिजनेस किया. छठे दिन फिल्म ने 4.5 और सातवें दिन 4 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म ने पहले वीक में 74 करोड़ का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया. इसके बाद आठवें दिन फिल्म न 3.75 करोड़ कमाए. फिल्म को सुभाष कपूर ने डायरेक्ट किया है. इस फिल्म में अक्षय और अरशद के अलावा अमृता राव, सौरभ शुक्ला, हुमा कुरैशी, गजराज राव, अन्नू कपूर और सीमा बिस्वास जैसे स्टार्स हैं. फिल्म में अक्षय और अरशद को पर्दे पर एक-दूसरे के आमने-सामने फैंस ने पसंद किया है।

सोनम ने लंदन फैशन वीक में बिखेरा इंडो-वेस्टर्न लुक का जलवा

अनिल कपूर की लाडली और बॉलीवुड की स्टाइल क्वीन सोनम कपूर हमेशा अपने फैशन सेंस से फैंस का दिल जीत लेती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस इंडो-वेस्टर्न ड्रेस में नजर आईं, जहां उनके स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक ने सबको हैरान कर दिया। बॉलीवुड की फैशनिस्टा और अनिल कपूर की बड़ी बेटी सोनम कपूर अपने अनोखे स्टाइल और एक्सपेरिमेंटल फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। इन दिनों फिल्मों से दूरी बनाने के बावजूद वह हमेशा अपने ड्रेसिंग सेंस और ग्लैमरस लुक्स की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। यही वजह है कि सोनम का हर नया लुक फैंस और फैशन लवर्स के बीच चर्चा का विषय बन जाता है। हाल ही में सोनम कपूर ने लंदन फैशन वीक 2025 में शिरकत की और एक इंडो-वेस्टर्न लुक में नजर आईं। उनका ये लुक इतना यूनिक था कि देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिसे देखकर आपको भी कॉपी करने का मन होगा। तो चलिए जानते हैं उन्होंने कैसा लुक कैरी किया था।सोनम ने इस मौके पर शायनी ब्लैक पलाज़ो के साथ व्हाइट शर्ट और लॉन्ग ओवरसाइज एंब्रॉयडरी वाला कोट पहना है जो उन्हें बिल्कुल इंडो-वेस्टर्न लुक दिया। एक्ट्रेस के व्हाइट शर्ट में पैच वर्क की भी डिटेल भी है। उनके हाथ में बंजारा पैटर्न वाला क्लच भी नज़र आया, जिसने उनके पूरे लुक को और ज्यादा रॉयल टच दिया। यह आउटफिट मशहूर फैशन डिजाइनर अनामिका खन्ना के कलेक्शन से चुना गया था।सोनम का मेकअप उनके आउटफिट को और ज्यादा उभारता नज़र आया। उन्होंने न्यूड टोन बेस के साथ शार्प आईलाइनर और हल्की स्मोकी आईज़ कैरी कीं। न्यूट्रल शेड की लिपस्टिक ने उनके मेकअप को बैलेंस किया और पूरे लुक को ग्लैमरस फिनिश दिया।हेयरस्टाइल की बात करें तो सोनम ने अपने बालों को सिंपल लेकिन क्लासी स्टाइल में कैरी किया। उनके हेयरडू में मॉडर्न टच के साथ एलिगेंस साफ झलक रहा था, जो उनके पूरे गेटअप को कंप्लीट करता है। इस हेयरस्टाइल के साथ उन्होंने बालों पर एंब्रॉयडरी वाला टोपी पहना था जो उन्हें यूनिक लुक दे रहा था।सोनम ने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए फैशन डिजाइनर अनामिका खन्ना की तारीफ भी की। उन्होंने लिखा, मेरी पसंदीदा अनामिका खन्ना, आप हमेशा अतुलनीय और अद्भुत रहेंगी। लंदन में क्या शानदार शो था! आपसे प्यार करती हूं और बेसब्री से इंतज़ार है कि दुनिया आपको और ज्यादा जाने।वहीं, इससे पहले भी सोनम कपूर ने व्हाइट कलर की एक खूबसूरत ड्रेस कैरी की थी, जिसपर बीड्स वर्क की डिटेलिंग थी।

'थामा' का ट्रेलर ट्रेलर रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर मची सनसनी

बॉलीवुड दर्शकों के लिए इस दिवाली एक खास तोहफा तैयार है। मैडॉक फिल्म्स ने अपनी बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी फिल्म 'थामा' का ट्रेलर बांद्रा फोर्ट में लॉन्च कर दिया है। इस मौके पर श्रद्धा कपूर ने न केवल फिल्म का ट्रेलर रिलीज़ किया बल्कि 'हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स' का लोगो भी पेश किया, जिससे दर्शकों में उत्साह और बढ़ गया। इस यूनिवर्स में पहले ही 'स्त्री', 'मुंज्या', 'भेड़िया' और 'स्त्री 2' जैसी सुपरहिट फिल्मों का नाम शामिल है और अब 'थामा' उसकी अगली कड़ी बनने जा रही है।ट्रेलर में दिखाया गया है कि आलोक नाम का एक साधारण युवक, जिसे आयुष्मान खुराना निभा रहे हैं, अचानक अनजानी परिस्थितियों में एक पिशाच में बदल जाता है। यह बदलाव उसके लिए डर और रोमांच से भरा अनुभव है, लेकिन इसी दौरान उसकी मुलाक़ात होती है रश्मिका मंदाना से, जो उसकी मदद करती हैं, इस नई दुनिया में ढलने की। फिल्म में आयुष्मान का राजमा चावल प्रेम और उनका कॉमिक टच कहानी को हल्का-फुल्का और मज़ेदार बनाते हैं।

फिल्म का सबसे डरावना और दिलचस्प पहलू है नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी का किरदार। वह 'यक्षसन' बने हैं, अंधेरे का बादशाह, जो एक बेताल है और हज़ार साल की सज़ा काटने के बाद फिर से इंसानों की दुनिया में लौट आया है। ट्रेलर में नवाज़ुद्दीन लंबे बालों, गहरी नज़रों और भयावह हंसी के साथ दिखाई देते हैं। उनका किरदार दर्शकों के लिए डर और रोमांच दोनों का अहसास कराता है।

रश्मिका संग नई ऑन-स्क्रीन जोड़ी

इस फिल्म में पहली बार दर्शकों को आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की जोड़ी बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी। ट्रेलर से ही दोनों के बीच की केमिस्ट्री ताज़गी भरी लग रही है। रश्मिका का किरदार कहानी में न सिर्फ रोमांटिक एंगल जोड़ता है, बल्कि आयुष्मान के बदलते जीवन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

फिल्म में आलोक के पिता का किरदार निभा रहे हैं परेश रावल। उनका रोल फिल्म को और भी रंगीन बना देता है। कॉमिक टाइमिंग और पारिवारिक संवाद दर्शकों को हंसने पर मजबूर कर देते हैं। साथ ही, गीता अग्रवाल शर्मा उनकी मां के रूप में नज़र आएंगी, जिससे फिल्म का घरेलू माहौल और मज़ेदार बन जाता है।ट्रेलर लॉन्च इवेंट में 'स्त्री' की स्टार श्रद्धा कपूर की मौजूदगी ने माहौल को और खास बना दिया। उन्होंने दिनेश विजन के साथ 'हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स' का लोगो लॉन्च किया, जिससे साफ हो गया कि 'थामा' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़े सिनेमाई विस्तार की तैयारी है।'थामा' इस साल की सबसे बड़ी हॉरर कॉमेडी मानी जा रही है। 21 अक्टूबर को दिवाली के मौके पर फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। फैंस का मानना है कि यह फिल्म स्त्री से भी बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हो सकती है। एक तरफ जहां आयुष्मान और रश्मिका की नई जोड़ी दर्शकों को लुभाएगी, वहीं नवाज़ुद्दीन का डार्क और मज़बूत किरदार कहानी को और रोमांचक बनाएगा।

एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक टी20 जीत के मामले में दूसरे पायदान पर पहुंचा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने एशिया कप 2025 में सुपर-4 राउंड के आखिरी मैच में श्रीलंका को सुपर ओवर में हराया। इसी के साथ टीम इंडिया किसी एक टीम के विरुद्ध सर्वाधिक टी20 मुकाबले जीतने के मामले में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गई। रोचक बात यह है कि भारत और श्रीलंका के बीच पिछले 2 टी20 मैच टाई रहे हैं, जिन्हें भारत ने सुपर ओवर में जीता।

किसी एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक जीत के मामले में पाकिस्तान शीर्ष पर है, जिसने न्यूजीलैंड के विरुद्ध 49 टी20 मुकाबलों में 24 जीत दर्ज की है। वहीं, इंग्लैंड की टीम पाकिस्तान के विरुद्ध 31 टी20 मुकाबलों में 21 मैच जीत चुकी है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 5 विकेट खोकर 202 रन बनाए। भारतीय टीम 15 के स्कोर पर शुभमन गिल (4) का विकेट गंवा चुकी थी। यहां से कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अभिषेक शर्मा के साथ 59 रन की साझेदारी की, जिसने भारत को संभाला। सूर्या 13 गेंदों में 12 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अभिषेक शर्मा ने 31 गेंदों में 2 छक्कों और 8 चौकों की मदद से 61 रन की पारी खेली। भारतीय टीम 92 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से तिलक वर्मा ने संजू सैमसन के साथ 66 रन जुटाते हुए टीम को 150 के पार पहुंचाया। तिलक वर्मा 34 गेंदों में 49 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि सैमसन ने 39 रन की पारी खेली। विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने भी 20 ओवरों के खेल तक 5 विकेट खोकर 202 रन बनाए। पथुम निसांका ने 107 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि कुसल परेरा ने 58 रन टीम के खाते में जोड़े। इसके बाद खेल सुपर ओवर तक पहुंचा, जिसमें भारत ने आसान जीत दर्ज कर ली।

बिग बैश लीग में खेलेंगे रविचंद्रन अश्विन, इस टीम ने कर लिया साइन

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अब बिग बैश लीग में खेलते दिखेंगे. बीबीएल टीम सिडनी थंडर ने अश्विन को साइन कर लिया है. अश्विन ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में खेले वाले पहले भारतीय क्रिकेट होंगे. वह बीबीएल में डेविड वॉर्नर की सिडनी थंडर के लिए खेलते दिखेंगे.

इसी साल इंटरनेशनल क्रिकेट और आईपीएल से संन्यास लेने वाले 39 साल के रविचंद्रन अश्विन 14 दिसंबर से 25 जनवरी तक होने वाले बीबीएल के दूसरे हाफ में उपलब्ध होंगे. यानी वह पूरे टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे. अश्विन टूर्नामेंट के बीच में सिडनी थंडर से जुड़ेंगे. अश्विन के हवाले से कहा, सिडनी थंडर मेरे इस्तेमाल के बारे में स्पष्ट थे. उनके साथ मेरी बातचीत बहुत अच्छी रही और हम मेरी भूमिका को लेकर पूरी तरह सहमत हैं. मुझे डेव (डेविड) वॉर्नर का खेल बहुत पसंद है. मैं टीम के लिए प्रदर्शन करने के लिए बेताब हूं. सिडनी थंडर के महाप्रबंधक ट्रेंट कोपलैंड ने इसे बीबीएल के इतिहास में सबसे बड़ा करार बताया. कोपलैंड ने कहा, मुझे लगता है कि यह बीबीएल के इतिहास में यकीनन सबसे बड़ा करार है. पहला महान भारतीय और खेल का आइकॉन. वह बहुत प्रतिस्पर्धी खिलाड़ी है. अश्विन बीबीएल में खेलने वाले पहले भारतीय पुरुष क्रिकेटर होंगे. भारत में जन्मे उन्मुक्त चंद और निखिल चौधरी विदेश में शिफ्ट होने के बाद बीबीएल में खेले थे. अश्विन बिग बैश लीग से पहले एक अन्य विदेशी लीग में भी खेलते दिख सकते हैं. रवि अश्विन आईएलटी 20 नीलामी में शामिल हुए हैं. 04 जनवरी को लीग के खत्म होने के बाद वह बीबीएल के दूसरे हाफ में थंडर से जुड़ेंगे.

क्रिकेटरों की कड़ी मेहनत ने मुझे बचपन में प्रेरित किया: उसैन बोल्ट

मुंबई, एजेंसी। ओलंपिक में स्वर्ण पदकों की झड़ी लगाने वाले दुनिया के सबसे तेज धावक उसैन बोल्ट ने खुलासा किया है कि क्रिकेटरों की कड़ी मेहनत ने उन्हें एथलेटिक्स में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया है। जमनाबाई नरसी परिसर में एक फायरसाइड चैट में जमैका के इस धावक ने कहा, मैं बचपन से ही क्रिकेट का बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं। मैंने बचपन से ही क्रिकेट देखा है। क्रिकेटरों की प्रतिभा को देखना, उनके काम करने का तरीका, खुद को आगे बढ़ाने का तरीका और खुद को ढालने का तरीका, इन सबने मुझे छोटी उम्र में ही कड़ी मेहनत करने और सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए प्रेरित किया। बोल्ट ने कहा, भारत में होना एक अविश्वसनीय अनुभव है। इतने सारे उत्साही प्रशंसकों से मिलना मुझे याद दिलाता है कि खेल क्यों मायने रखते हैं और क्यों वे दुनिया भर के लोगों को जोड़ते हैं। यहां की ऊर्जा अद्भुत है, और मुझे ड्रीम सेट गो के उस विजन का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है, जो विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करता है, जो प्रशंसकों को उनके पसंदीदा खेलों के और भी करीब लाता है। उन्होंने कहा, मेरे लिए, यह कड़ी मेहनत जितना ही सरल है, आप समझ रहे हैं न? इसमें खेल के प्रति कड़ी मेहनत और समर्पण की जरूरत होती है। मुझे ट्रैक एंड फील्ड बहुत पसंद है, इसलिए यह एक ऐसी चीज है, जिसे मैं बचपन से ही पसंद करता रहा हूं और मैंने इस पर बहुत मेहनत की है। यह एक कठिन सफर था, क्योंकि शीर्ष पर पहुंचना कभी आसान नहीं होता। मैं सचमुच दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनना चाहता था। इसलिए मैंने चोटों, शंकाओं और कठिन समय के बावजूद खुद को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बनने के लिए प्रेरित किया। एक निजी यात्रा पर मुंबई आए बोल्ट दिल्ली भी आने वाले हैं।

एशिया कप फाईनल :

भारत-पाकिस्तान की ऐतिहासिक टक्कर आज

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 अब अपने रोमांचक फाइनल मुकाम पर पहुंच चुका है और अब क्रिकेट फैन्स को मिलेगा वह मुकाबला, जो इस टूर्नामेंट का सबसे ज्यादा रोमांचक होने वाला है. भारत बनाम पाकिस्तान एशिया कप 2025 का फाइनल रविवार, 28 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा. यह पहला मौका होगा जब भारत और पाकिस्तान एशिया कप के फाइनल में भिड़ेंगे. ऐसे में यह मैच सिर्फ एक ट्रॉफी के लिए नहीं, बल्कि गर्व और प्रतिष्ठा के लिए भी होगा.

भारत और पाकिस्तान का सफर

टीम इंडिया पूरे टूर्नामेंट में अब तक अजेय रही है. सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम ने दमदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से प्रभावित किया है. दूसरी ओर, पाकिस्तान ने सुपर-4 में बांग्लादेश को हराकर फाइनल का टिकट पक्का किया था. सलमान अली आगा की

कप्तानी वाली टीम फाइनल में अपनी कमजोरियों को पीछे छोड़कर नया इतिहास रचने उतरेगी.

फाइनल का रोमांच, दुबई की पिच

40 साल से ज्यादा पुराने एशिया कप इतिहास में यह पहला भारत-पाक फाइनल है. दुबई की पिच पर बल्लेबाजों और गेंदबाजों, दोनों को मदद मिल सकती है.

फैन्स उम्मीद कर रहे हैं कि अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और शाहीन अफरीदी जैसे स्टार खिलाड़ी मैदान पर अपनी छाप छोड़ेंगे.

दोनो टीमों की संभावित प्लेइंग 11

● **भारत:** अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव(कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन(विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह.

● **पाकिस्तान:** सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी.

एशिया कप: मैच हारा, मगर इतिहास रच गई पथुम निसांका-कुसल परेरा की जोड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने एशिया कप 2025 के अंतिम सुपर 4 मुकाबले में श्रीलंका को सुपर ओवर में शिकस्त दी। इस मुकाबले में पथुम निसांका और कुसल परेरा की जोड़ी ने टी20 फॉर्मेट के एशिया कप में सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड विराट कोहली और के एल राहुल के नाम था, जिन्होंने 8 सितंबर 2022 को अफगानिस्तान के खिलाफ सुपर-4 मुकाबले में पहले विकेट के लिए 119 रन जोड़े थे। टी20 फॉर्मेट के एशिया कप में 100+ साझेदारी के मामले में तीसरी जोड़ी पाकिस्तान के उमर अकमल और शोएब मलिक की है, जिसने 29 फरवरी 2016 को यूएई के खिलाफ चौथे विकेट के लिए अटूट 114 रन की साझेदारी की थी। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 202 रन बनाए।

टीम इंडिया की ओर से सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 61 रन की पारी खेली, जबकि तिलक वर्मा ने नाबाद 49 रन बनाए। इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम ने भी निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर 202 रन बनाए। इस टीम के लिए पथुम निसांका ने 58 गेंदों में 6 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 107 रन की पारी खेली, जबकि कुसल परेरा ने 58 रन टीम के खाते में जुटाए। मैच सुपर ओवर तक पहुंचा, जहां श्रीलंकाई टीम सिर्फ 2 रन बना सकी और भारत ने पहली ही गेंद पर जीत दर्ज की। अब रविवार को भारत-पाकिस्तान के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाना है।

उन्हें बेंच पर बैठा देना चाहिए, इस स्टार खिलाड़ी के खराब प्रदर्शन से निराश हुए वकार यूनुस

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ दो करारी हार के बावजूद पाकिस्तान किसी तरह एशिया कप 2025 के फाइनल में जगह बनाने में कामयाब रहा। हालांकि टूर्नामेंट की सबसे बेहतरीन फॉर्म में चल रही टीम भारत के खिलाफ फाइनल मुकाबले को देखते हुए, पाकिस्तानी खेमे में कुछ खिलाड़ियों की फॉर्म को लेकर चिंताए हैं। पाकिस्तान के महान खिलाड़ी वकार यूनिस के लिए सैम अयूब ऐसे ही एक खिलाड़ी हैं, जिन्होंने यूएई में एशिया कप अभियान की शुरुआत से अब तक 6 मैचों में केवल 23 रन बनाए हैं। यूनिस का साफ कहना है कि अयूब को टीम से बाहर ही रखना चाहिए। सैम ने एशिया कप में पाकिस्तान के लिए 6 मैच खेले हैं, जिनमें से 4 में वह खाता खोले बिना ही आउट हो गए। वकार यूनुस ने सोनी लिव पर कहा,देखिए, मैंने दूसरी बार शून्य पर आउट होने के बाद कहा था, मैंने कहा था कि इस खिलाड़ी को बेंच पर बैठा देना चाहिए। ऐसा नहीं है कि वह प्रतिभाशाली नहीं है, वह बहुत प्रतिभाशाली है। मुझे लगता है कि वह पाकिस्तान क्रिकेट का भविष्य है। लेकिन कभी-कभी जब चीजें आपके अनुकूल नहीं होती हैं, तो आप बस

अपने आप में सिमट जाते हैं, लगातार नीचे गिरते रहते हैं और यही उसके साथ हो रहा है। आज दोपहर जब वह मैदान पर आया तो उसकी बॉडी लैंग्वेज खराब थी। अयूब बल्ले से पूरी तरह फ्लॉप रहे हैं, लेकिन उन्होंने गेंद से पाकिस्तान को कुछ विकेट दिलाए हैं, इसलिए टीम में अपनी जगह बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं। लेकिन यूनिस चाहते हैं कि उनकी बल्लेबाजी के आधार पर ही कोई कड़ा फैसला लिया जाए और उन्होंने प्रबंधन से उन्हें फाइनल के लिए बेंच पर बैठाने की मांग की।

वकार यूनुस ने आगे कहा, पाकिस्तान उन्हें खिलाता रहा, सिर्फ इसलिए कि वह गेंदबाजह कर सकते हैं। आपको उनकी गेंदबाजी की चिंता करने की जरूरत नहीं है, पाकिस्तान को उनकी बल्लेबाजी की चिंता करने की जरूरत है। वह हमें रन देंगे या नहीं।

चेस: ग्लोबल शतरंज लीग में इस टीम से खेलेंगे गुकेश और एरिगैसी

13 दिसंबर से खेला जाएगा टूर्नामेंट

मुंबई , एजेंसी। टेक महिंद्रा और फिडे की संयुक्त पहल पर छह टीमों वाले जीसीएल का तीसरा सत्र 13 से 24 दिसंबर तक मुंबई में आयोजित किया जाएगा। विश्व चैंपियन डी. गुकेश और अर्जुन एरिगैसी जैसे शीर्ष भारतीय ग्रैंडमास्टर अगामी ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीएल) में पीबीजी अलास्का नाइट्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। पीबीजी अलास्का नाइट्स फ्रेंचाइजी इस लीग के तीसरे सत्र के लिए शुक्रवार को आयोजित खिलाड़ियों के ड्राफ्ट से भारत के इन दोनों शीर्ष खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ने में सफल रही। टेक महिंद्रा और फिडे की संयुक्त पहल पर छह टीमों वाले जीसीएल का तीसरा सत्र 13 से 24 दिसंबर तक मुंबई में आयोजित किया जाएगा। अल्पाइन एसजी पाइपर्स ने अमेरिका के ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को अपने साथ जोड़ा। पीबीजी अलास्का नाइट्स ने अन्य फ्रेंचाइजी टीमों को पछाड़कर गुकेश को अपनी टीम में शामिल किया। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद गंगा ग्रैंडमास्टर्स के साथ बने रहे। विश्व के पांचवें नंबर के एरिगैसी के लिए तीन टीमों ने कड़ी बोली लगाई लेकिन अंत में पीबीजी अलास्का नाइट्स ने बाजी मारी।

एशिया कप फाइनल से पहले सूर्या को गावस्कर से मिली खास सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। सुनील गावस्कर का मानना है कि श्रीलंका के खिलाफ कठिन मैच ने भारत को संयम और धैर्य दिखाने का मौका दिया और यह फाइनल से पहले टीम के लिए लाभदायक होगा. अर्शदीप सिंह की शानदार गेंदबाज़ी ने सुपर ओवर में जीत दिलाई, जिससे भारत का आत्मविश्वास और बढ़ा है. एशिया कप फाइनल से पहले महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने सूर्यकुमार यादव को सलाह दी है कि पाकिस्तान के खिलाफ मैदान पर उतरने के बाद अपनी नैचुरल गेम खेलने से पहले कुछ गेंदें लेकर पिच की स्थिति को समझें. अब तक टूर्नामेंट में 35 वर्षीय सूर्यकुमार ने 5 पारियों में केवल 71 रन बनाए हैं. उनका औसत 23.66 और स्ट्राइक रेट 107.57 रहा है. उनका स्कोर रहा- 7 नॉटआउट, 47 नॉटआउट, 0, 5 और 12. एशिया कप का यह प्रदर्शन

आईपीएल 2025 से बिल्कुल अलग रहा, जहां उन्होंने 717 रन 65.18 की औसत और 167.91 की स्ट्राइक रेट से बनाए थे. शुक्रवार को श्रीलंका के खिलाफ सूर्यकुमार ने 13 गेंदों पर 12 रन बनाए और फिर वानिंदु हसरंगा का शिकार बने. गावस्कर ने भारत की खिताबी उम्मीदों के लिए परिस्थितियों के हिसाब से खुद को ढालने की अहमियत पर ज़ोर दिया.

गावस्कर ने दी सूर्या को सलाह

गावस्कर ने कहा, वो क्लास खिलाड़ी हैं. मेरी बस यही सलाह होगी कि वे बीच में जाकर तीन-चार गेंदें लें और हालात को परखें. गेंद की गति, उछाल या टर्न को देखें. डगआउट से देखकर और मैदान पर खेलते हुए हालात अलग महसूस हो सकते हैं. उन्होंने आगे कहा, कभी-कभी अगर कोई बल्लेबाज पहले से सेट है तो लगेगा कि पिच में कुछ नहीं है. लेकिन हमेशा बेहतर यही होता है कि कुछ गेंदें खेलकर हालात समझो और फिर अपना नैचुरल गेम खेलो. गावस्कर ने कहा कि फाइनल से पहले का कठिन दिन भारत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है. श्रीलंका के खिलाफ सुपर ओवर की जीत ने टीम की धैर्य और संयम की क्षमता दिखा दी.

चाईना ओपन टेनिस:

शीर्ष वरीय इगा स्वियातेक चीन ओपन के तीसरे दौर में, युआन यू को सीधे सेटों में हराया

बीजिंग, एजेंसी। डब्ल्यूटीए ने कहा कि शनिवार की जीत के साथ स्वियातेक लगातार तीन सत्र में डब्ल्यूटीए-1000 स्पर्धाओं में 25 या उससे अधिक जीत दर्ज करने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। विंबलडन चैंपियन इगा स्वियातेक ने शनिवार को युआन यू को सीधे सेट में 6-0, 6-3 से हराकर चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश करके डब्ल्यूटीए टूर में इतिहास रच दिया। डब्ल्यूटीए ने कहा कि शनिवार की जीत के साथ स्वियातेक लगातार तीन सत्र में डब्ल्यूटीए-1000 स्पर्धाओं में 25 या उससे अधिक जीत दर्ज करने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। अन्य मुकाबलों में चौथी वरीयता प्राप्त मीरा आंद्रीवा ने चीन की झू लिन को 6-2, 6-2 से हराया जबकि अमेरिका की ऐमा नवारो ने एलेना-गैब्रियल रुसे को 6-3, 7-6 से शिकस्त दी।

युवराज सिंह के पिता योगराज ने भारत-पाकिस्तान फाइनल से पहले हारिस और फरहान को दी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत और पाकिस्तान की टीम पहुंच चुकी है और इस महामुकाबले से पहले कई कंट्रोवर्सी सामने आ चुकी हैं। एशिया कप में फाइनल से पहले भारत-पाकिस्तान के बीच 2 मैच हो चुके हैं और दोनों में भारत को जीत मिली थी, लेकिन दोनों मैचों में कुछ ना कुछ ऐसा हुआ जिसने जमकर सुर्खियां बटोरी। भारत-पाकिस्तान के बीच ग्रुप मैच के दौरान भारतीय खिलाड़ियों का पाकिस्तान से हाथ नहीं मिलाना और सूर्यकुमार यादव के बयान ने सुर्खियां बटोरी तो वहीं सुपर 4 के मुकाबले में हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान के गेस्चर व बातों ने सबका ध्यान खींचा। सुपर 4 मुकाबले में हारिस राऊफ ने भारतीय खिलाड़ियों के साथ अभद्र व्यवहार किया था जबकि फरहान ने अपनी अर्धशतकीय पारी के बाद गन सेलीब्रेशन किया था।

योगराज सिंह ने दिया विवादित बयान

सुपर 4 मैच में हारिस रऊफ और शाहीन अफरीदी ने अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल को परेशान करने की कोशिश की तो भारतीय ओपनरों ने पाकिस्तानी गेंदबाजों को बल्ले से करारा जवाब दिया। रऊफ काफी आक्रामक थे लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने भी उन्हें उसी अंदाज में जवाब दिया। अब भारत के पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने एक विवादित बयान देकर इस मामले को और बढ़ा दिया है। दोनों देशों के बीच फाइनल मुकाबले से पहले ये बयान काफी चर्चा में है। योगराज सिंह ने कहा कि वह हमेशा अपने देश के साथ रहेंगे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने सभी को याद दिलाया कि दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के बावजूद दोनों तरफ के खिलाड़ियों का सम्मान होना चाहिए और हमें उसी तरह से प्रतिक्रिया देनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों को गलत तरीके से निशाना बनाया जाता है जो क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं है। योगराज सिंह ने कहा कि मैं हमेशा अपने देश के साथ रहूंगा। मैं इस देश का नागरिक हूं। अगर कोई मेरे देश के खिलाफ कुछ कहता है, तो मैं उसे बर्दाश्त नहीं करूंगा। मैं मुंडी काट दूंगा। लेकिन जहां तक खिलाड़ियों की बात है, उनका सम्मान होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

अंडमान में मिले नेचुरल गैस के भंडार, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने किया ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को अंडमान सागर में नैचुरल गैस मिलने का ऐलान किया है। उन्होंने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि यह खोज अंडमान द्वीप समूह की पूर्वी तट रेखा से करीब 17 किलोमीटर की दूरी पर स्थित श्री विजयपुरम के 2 कुएं से हुई है। इसकी कुल जल गहराई करीब 295 मीटर है और लक्षित गहराई करीब 2650 मीटर है। शुरुआती परीक्षण के आधार पर प्राकृतिक गैस के नमूने मिले हैं, जब इनका परीक्षण किया गया तो इनमें 87 फीसदी मीथेन पाया गया है। सोशल मीडिया साइट पर इसका ऐलान करते हुए केंद्रीय मंत्री ने लिखा, इस गैस भंडार का आकार कितना बड़ा है, या यह हमारे लिए कितना सुलक्ष होगा। इसका पता आने वाले कुछ महीनों में और भी ज्यादा गहराई से चल जाएगा, लेकिन अंडमान बेसिन में हाइड्रोकार्बन की उपस्थिति का पता चलना, हमारे उस विश्वास का पुष्ट करता है, जिसकी वजह से हम लंबे समय से इस अभियान को चला रहे हैं। हमारा शुरुआत से ही यह विश्वास था कि अंडमान बेसिन प्राकृतिक गैस से भरा हुआ है क्योंकि इस बेल्ट पर म्यांमार से लेकर इंडोनेशिया तक खोजें हो चुकी हैं। केंद्रीय मंत्री ने यहां पर इस बात पर भी जोर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार गहरे पानी मिशन के अनुरूप तेजी से काम कर रही है। इस मिशन का उद्देश्य कई गहरे पानी के कुओं के माध्यम से अपतटीय हाइड्रोकार्बन भंडारों का पता लगाना है। उन्होंने लिखा, यह खोज हमें गहरे पानी के विशेषज्ञों के साथ अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना को आगे बढ़ाने में मदद करेगी और अमृत काल के माध्यम से हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

गुफा में रहती मिली थी रूसी महिला, अब वापस जा पाएगी रूस, हाई कोर्ट ने दिया आदेश

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक पुलिस ने जुलाई में गोकर्ण गुफाओं में अपने बच्चों के साथ रह रही रूसी महिला को पकड़ा था। दो महीने से जारी उठा पटक के बाद अब हाई कोर्ट की अनुमति से उसके वापस रूस जाने का रास्ता साफ हो गया है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने महिला के पूर्व पति द्वारा लगाई गई याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को नीना कुटिना और उसकी दो बेटियों के लिए यात्रा दस्तावेज जारी करने का आदेश दे दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक महिला के पूर्व पति इजरायली नागरिक ड्रोर शलोमो गोल्डस्टीन ने हाई कोर्ट में याचिका दायर करके गुहार लगाई थी केंद्र सरकार को दोनों नाबालिग बच्चियों को तुरंत निर्वासित करने से रोका जाए। गोल्डस्टीन जो कि दूसरी बेटी का पिता है उसकी वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता ने भारत छोड़ने से पहले लंबे समय तक तीनों मां बेटी की देखभाल की है। हालांकि महिला द्वारा कोर्ट से अनुरोध किया गया था कि उसे उसके बच्चों के साथ रूस वापस जाने दिया जाए। जुलाई में केंद्र सरकार ने अदालत को बताया था कि मां और बेटियों को तुरंत रूस वापस नहीं भेजा जा सकता क्योंकि दूसरी बेटी के पास उसके जन्म का भी कोई उचित रिकॉर्ड नहीं है। न ही उनके पास कोई यात्रा दस्तावेज हैं। हालांकि शुक्रवार को केंद्र सरकार की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अरविंद कामथ ने अदालत को बताया कि नीना की बेटी और उसके माता-पिता की पुष्टि करने वाली एक डीएनए रिपोर्ट रूसी अधिकारियों के साथ साझा की गई थी। इसके बाद उन्होंने बच्ची को रूसी नागरिकता प्रदान की और अल्पकालिक यात्रा के लिए दस्तावेज जारी कर दिए। इसलिए उसे जल्द से जल्द रूस भेजना होगा। इसके बाद न्यायमूर्ति बीएम श्याम ने आदेश जारी करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता इस बात को स्पष्ट नहीं कर पाया है कि आखिर किन परिस्थितियों की वजह से मां और दोनों बच्चे गुफा में पहुंचे। इसके अलावा बच्चों के पुनर्वास पर भी सवाल है।

गिरफ्तार कर हत्या कर दी; अबूझमाड़ जंगलों में एनकाउंटर को माओवादियों ने बताया फर्जी

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ जंगलों में सुरक्षा बलों और प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। पुलिस ने दावा किया कि इस ऑपरेशन में केंद्रीय समिति के दो शीर्ष कमांडर कट्टा रामचंद्र रेड्डी उर्फ राजू दादा और कदारी सत्यनारायण रेड्डी उर्फ कोसा दादामारे गए। हालांकि अब माओवादी संगठन ने इस घटना को फेक एनकाउंटर बताया है। दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के प्रवक्ता विकल्प ने आरोप लगाया कि पुलिस ने दोनों नेताओं को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर उनकी हत्या कर दी और इसे एनकाउंटर बताकर पेश किया गया है। इससे पहले पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई सोमवार सुबह विशेष खुफिया सूचना मिलने पर शुरू की गई थी।

ग्रेटर फरीदाबाद के 15 सेक्टर नगर निगम को सौंपने की तैयारी

फरीदाबाद, एजेंसी। ग्रेटर फरीदाबाद में मूलभूत सुविधाओं की कमी से जूझ रहे 15 सेक्टर जल्द नगर निगम को सौंपने की तैयारी है। इसे लेकर हरियाणा के नगर और ग्रामीण योजना निदेशालय की ओर से नगर निगम आयुक्त को पत्र लिखकर सुझाव एवं सहमति मांगी गई है। सहमति के बाद विकास कार्य शुरू किए जाएंगे। साथ ही इन कॉलोनियों में सड़कें, पार्क, स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं का रखरखाव नगर निगम के जिम्मे होगा। तेजी से विकसित हो रहे ग्रेटर फरीदाबाद में 80 से अधिक छोटी-बड़ी सोसाइटियां हैं, जिनमें करीब दो लाख लोग निवास करते हैं। बीपीटीपी बिल्डर द्वारा कुछ साल पहले विकसित की गई सेक्टर-75 से 89 तक की रिहायशी कॉलोनियों में कई सालों से मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। वहीं, प्लॉटेड कॉलोनी की आरडब्ल्यूए और स्थानीय निवासी, बीपीटीपी बिल्डर के आधे अधूरे कामों और ग्राहकों से मनमानी वसूली के खिलाफ कई सालों से लगातार संघर्ष कर रहे हैं। बिल्डर की सभी प्लॉटेड कॉलोनी को नगर निगम को सौंपने की मांग कर रहे हैं। बीपीटीपी ब्लॉक बी ब्लॉक के आरडब्ल्यूए प्रधान सूरजभान शर्मा, जी ब्लॉक आरडब्ल्यूए के सुमेर खत्री, महावीर सिंह भामला, एफ ब्लॉक के रविंद्र चौधरी सहित अनेक लोगों का आरोप है कि बीपीटीपी बिल्डर द्वारा बायर्स से सड़क मरम्मत के नाम पर 290 रुपये प्रति वर्ग गज की

मनमानी मांग की जा रही है। शिकायत निवारण समिति की बैठक में उठ चुका मुद्दा = सोसाइटियों में सुविधाओं की कमी और सड़क निर्माण के नाम पर बिल्डर द्वारा वसूली का मुद्दा 4 अगस्त हो हुई जिला स्तरीय शिकायत निवारण समिति की बैठक में भी उठ चुका है। वहीं पिछले दिनों लोगों ने प्रदेश के खाद्य एवं आपूर्ति राज्य मंत्री राजेश नागर को ज्ञापन सौंप कर सभी कॉलोनियों को नगर निगम को सौंपने की मांग की थी।

सेक्टरों में विकास कार्य तेजी से हो सकेंगे : नगर निगम के पास आने के बाद इन कॉलोनियों की सड़कों और सार्वजनिक स्थानों की दशा में सुधार की उम्मीद है। लंबे समय से इन सेक्टरों की सड़कें खराब स्थिति में हैं, जिससे निवासियों को रोजमर्रा की आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अब नगर निगम इन सभी सड़कों को नए सिरे से बनाने और कॉलोनियों के विकास कार्यों को नियमित रूप से कराने की तैयारी की है।

सौंपा गया क्षेत्र चार हिस्सों में विभाजित : हरियाणा के नगर और ग्रामीण योजना निदेशालय ने नगर निगम फरीदाबाद को औपचारिक रूप से पत्र भेजा है। जिसमें बताया गया है कि नगर निगम के लिए यह सौंपा गया क्षेत्र कुल मिलाकर चार प्रमुख हिस्सों में विभाजित है। सेक्टर 82 से 89 तक का क्षेत्र 571.30 एकड़ में फैला हुआ है। सेक्टर 75, 76 और 80 में कुल 350.79 एकड़ का क्षेत्र है, जबकि सेक्टर 77 में 97.82 एकड़ क्षेत्र शामिल है। इन कॉलोनियों में सड़कें, पार्क, स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं का रखरखाव अब नगर निगम के जिम्मे होगा। निगमायुक्त को भेजे पत्र में कहा गया है कि वे इन कॉलोनियों को अपने नियंत्रण में लेने के लिए सहमति दें। हालांकि, कॉलोनी डेवलपर बीपीटीपी लिमिटेड अपनी लाइसेंस की शर्तों के तहत अन्य दायित्वों के लिए जिम्मेदार रहेगा।

सड़क से लेकर पार्क तक के दिन बहुरेंगे : नगर निगम के आधीन आने के बाद सेक्टरों की सड़कों के साथ ही पार्कों की खराब हालत से लोगों को निजात मिलेगी। सड़कों को नए सिरे से बनाया जाएगा। वहीं पार्कों में हरियाली बढ़ाने के साथ बच्चों के लिए झूल, सैर करने के लिए ट्रैक बनाए जाएंगे। इसके साथ ही बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने पर काम किया जाएगा। सेक्टर नगर निगम को सौंपे जाने से लोगों में खुशी है। ग्रेफ निवासी सुमेर खत्री ने बताया कि वह दो दिन पहले ही नगर निगम आयुक्त से मिले थे। निगम आयुक्त ने एक कमेटी बना कर प्रस्ताव तैयार करने के आदेश दिए। जिसमें तय किया जाएगा कि सेक्टरों के हस्तांतरण से देखा जाएगा कि बिल्डर के पास कितने जिम्मेदारियों थी जो पूरी की है और नहीं की है। अधूरे प्रोजेक्ट कर प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। हस्तांतरण के बाद विकास कार्यों पर होने वाले खर्च को बिल्डर से वसूला जाएगा।

सविता जिंदल, जिला टाउन प्लानर, हरियाणा, यह कदम नगर निगम और राज्य सरकार के सहयोग से कॉलोनियों में विकास की गति बढ़ाने और लोगों को बेहतर जीवनयापन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उठाया गया है। सभी सेक्टर निगम के पास आने के बाद विकास कार्यों में तेजी आएगी।

अयोध्या में मनेगा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल पूरे होने का जश्न, पूर्ण गणवेश में आएंगे स्वयंसेवक

अयोध्या, एजेंसी। विजयदशमी दो अक्टूबर को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना का 100 वर्ष पूरा हो रहा है। इसके बाद शताब्दी वर्ष मनाया जाना है। शताब्दी वर्ष का आगाज यूपी में अयोध्या धाम के राम कथा पार्क में आयोजित कार्यक्रम से होगा। जिसमें संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले का उद्बोधन होगा और कार्यक्रम की अध्यक्षता ऋषभदेव जन्मभूमि दिगंबर जैन बड़ी मूर्ति अध्यक्ष और पीठाधीश रवींद्र कीर्ति स्वामी करेंगे। कार्यक्रम का जिम्मा महानगर संघचालक विक्रमा प्रसाद और महानगर कारवाह देवेंद्र को सौंपा गया है। पंच परिवर्तन के तहत कार्यकर्ता घर-घर और गांव-गांव तथा संबंधित समूह के पास जाएगें और उनको समाजिक सद्भाव व समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, आत्मनिर्भरता अर्थात स्वदेशी को बढ़ावा के लिए प्रेरित किया जाएगा। पूर्ण गणवेश में आना होगा स्वयंसेवकों को संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर अयोध्या धाम के राम कथा पार्क में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में बिना पूर्ण गणवेश के प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है। आयोजन स्थल को आरएसएस की ओर से रामलला अशोक सिंहल नगर नाम दिया गया है। जनसंपर्क अभियान में स्वयं सेवकों के गणवेश और तैयारी को जांचा परखा जा रहा है। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को लेकर स्वयं

सेवक घर-घर दस्तक दे रहे हैं और तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। विजय दशमी पर्व पर 100 वर्ष पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की गई थी। बीते 100 वर्षों में संघ की ओर से राष्ट्र के उत्थान, विचारधारा के उन्नयन, सामाजिक संवर्द्धन आदि के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया गया। संघ की स्थापना के एक शताब्दी पूरे होने पर देश भर में कार्यकम का आयोजन किया जा रहा है। संघ की ओर से कहा जा रहा है कि संगठन के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में आयोजित यह कार्यक्रम जश्न मनाने के लिए नहीं बल्कि शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन अभियान के लिए किए जाने वाले प्रयास और कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर है। कार्यक्रम की शुरुआत विजयदशमी को सुबह आठ बजे से होनी है, जिसके लिए स्वयंसेवकों और आगंतुकों से कार्यक्रम शुरू होने से आधा घंटे पूर्व आकर अपना स्थान ग्रहण कर लेने का निवेदन किया जा रहा है। साथ ही ज्यादा से ज्यादा स्वयंसेवकों की सहभागिता के लिए शाखा शाखा और क्षेत्र क्षेत्र में घर-घर जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

हिमाचल में महिला कर्मचारी ने एसडीएम पर लगाया यौन शोषण का आरोप, अधिकारी ने वीडियो जारी कर दी सफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में एक सरकारी महिला कर्मचारी ने सुजानपुर के एसडीएम (उप-मंडल मजिस्ट्रेट) पर यौन शोषण, शारीरिक उत्पीड़न और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। आरोपी अधिकारी का नाम विकास शुक्ला है। महिला का कहना है कि उसने इस बारे में स्थानीय पुलिस से शिकायत भी की थी, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। उधर आरोपी अधिकारी ने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताते हुए उनसे इनकार किया है। शिकायतकर्ता महिला जो कि एक पंचायत सचिव है, उसका कहना है कि 2021 में एक संपत्ति विवाद को लेकर शुक्ला से संपर्क करने पर उसे निशाना बनाया गया। उसने दावा किया कि शुक्ला ने उसे मामले पर चर्चा करने के बहाने अपने सरकारी आवास पर बुलाया, फिर शादी का झूठा वादा करके उसे धमकाया और शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। उसने यह भी आरोप लगाया कि उसे दो बार गर्भपात कराने के लिए भी मजबूर किया गया। महिला ने कहा कि 24 अगस्त 2024 को स्थिति उस वक्त हिंसक हो गई, जब उसे फिर से शुक्ला के आवास पर बुलाया गया। उसने आरोप लगाया कि वहां पहुंचने पर शुक्ला और उसके एक दोस्त ने उसे घर में बंद कर दिया, उसका फोन छीन लिया, उसके साथ मारपीट की और मुंह खोलने पर उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। कथित तौर पर हमले का एक वीडियो भी रिकॉर्ड किया गया था। महिला के आरोपों के अनुसार कुल्लू पुलिस और महिला पुलिस थाने से सम्पर्क करने के बावजूद उन्होंने इस मामले में कोई स्वतः दर्ज नहीं की, उल्टा उस पर समझौता करने का दबाव बनाया गया। उधर स्वरूविकास शुक्ला ने अपने ऊपर लगे इन आरोपों को गलत बताते हुए शुक्रवार को एक वीडियो जारी किया और कहा कि मामले की तीन स्तरों पर जांच हो चुकी है और उन्हें निर्दोष पाया गया है। वीडियो में आरोपी अधिकारी शुक्ला ने कहा कि एक महिला मेरे पास छोटे-मोटे कामों के लिए आती थी और धीरे-धीरे वह मुझ पर मोहित हो गई और मुझे बार-बार फोन करने लगी। मैंने उसे कई बार समझाने की कोशिश की कि कुछ पाबंदियां हैं, लेकिन वह मेरा पीछा करने और मुझे परेशान करने लगी।

सदन में सीएम भगवंत मान ने दिया बाढ़ का पूरा डेटा, राहुल गांधी को लिया आड़े हाथ

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब विधानसभा में शुक्रवार को बाढ़ को लेकर विशेष सत्र में करीब छह घंटे तक बहस हुई, जिसमें मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विपक्ष के हर आरोप का जवाब देते हुए पंजाब में आई बाढ़ की स्थिति पर विस्तृत जानकारी दी। सत्र के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के दौरे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में जाने के प्रयास और केंद्र सरकार की ओर से दिए गए पैकेज के मुद्दों पर खुलकर बात की। बहस के बाद विधानसभा को सोमवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

सीएम ने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा और कहा कि केंद्र ने स्टेट डिजास्टर फंड में 25 साल में कुल 6,090 करोड़ रुपये दिए। इसके अतिरिक्त बाकी राशि पंजाब सरकार द्वारा दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग कह रहे हैं कि

सरकार ने पैसा खा लिया, जबकि दिल्ली से आए केंद्रीय मंत्री केवल फोटो खिंचाकर चले गए।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने हेलिकॉप्टर से निरीक्षण किया, लेकिन नीचे फौज और भाजपा-कांग्रेस के प्रतिनिधि बैठे थे। उन्होंने कहा कि 1,600 करोड़ रुपये का पैकेज घोषित किया गया, लेकिन 2,305 बाढ़ प्रभावित गांवों में हर गांव के हिस्से में केवल 80 लाख रुपये भी नहीं पहुंचे। सीएम भगवंत मान ने बीबीएमबी द्वारा पानी नहीं छोड़ने के मामले पर कहा कि सिर्फ 4,000 क्यूसिक पानी छोड़ने की बात थी, इससे बाढ़ कैसे रोकी जा सकती थी? उन्होंने बताया कि रणजीत सागर डैम, पौंग डैम, और भाखड़ा डैम में इस बार 1988 की तुलना में बहुत अधिक पानी आया। उन्होंने घग्गर नदी की सफाई और डिसिल्टिंग का डेटा साझा किया, जो 60 साल में पहली बार भाखड़ा और पौंग में की गई। सीएम ने बाढ़ राहत पैकेज को सीएम रिलीफ फंड में न मंगाने पर भी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि सीएम रिलीफ फंड में सीएसआर का पैसा नहीं आ सकता और इसमें सांसद केवल 20 लाख रुपये ही दे सकते हैं। उन्होंने पंजाब सरकार द्वारा बनाई गई सोसाइटी का हवाला देते हुए कहा कि वह वित्तमंत्री के अधीन है और इसके विवरण बाद में बताए जाएंगे। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा मदद की पेशकश पर सीएम मान ने कहा कि उन्हें पानी लेने से मना कर दिया गया और इसका प्रमाण चिट्ठी के रूप में भी मौजूद है। उन्होंने गैर-पंजाबियों के विरोध और प्रवासियों के मुद्दे पर भी कहा कि किसी के साथ क्रिमिनल कृत्य होने पर फास्ट ट्रैक कोर्ट में सजा दी जाएगी, और अपराध का कोई धर्म-जाति नहीं होता। वहीं उन्होंने प्रधानमंत्री से मुलाकात का समय न मिलने पर कहा कि इसके लिए 1-2 ईमेल और भेजे जाएंगे, ताकि इस मुद्दे को दिल्ली में भी उठाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि जब प्रधानमंत्री आए, वह अस्पताल में भर्ती थे, और उस पर भी राजनीतिक आरोप लगाए गए। सीएम मान ने स्पष्ट किया कि बीमारी का मजाक नहीं किया जाना चाहिए और बाढ़ राहत कार्य प्राथमिकता के आधार पर जारी रहेगा।

चार देशों की यात्रा पर गए राहुल गांधी, व्यापारियों और छात्रों से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दक्षिण अमेरिका के चार देशों की महत्वपूर्ण यात्रा शुरू की है। इस दौरान वे राजनीतिक नेताओं, विश्वविद्यालय के छात्रों और व्यापारिक समुदाय के साथ मुलाकात करेंगे। कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रभारी पवन खेड़ा ने इसकी जानकारी दी, हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि राहुल गांधी कितने दिनों तक देश से बाहर रहेंगे। पवन खेड़ा ने अपने एक्स पोस्ट में कहा, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दक्षिण अमेरिका की यात्रा शुरू की है। वे चार देशों में राजनीतिक नेताओं, विश्वविद्यालय के छात्रों और

व्यापारिक समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत करने वाले हैं। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी ब्राजील और कोलंबिया में विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ संवाद करेंगे। इसके अलावा, वे कई देशों के राष्ट्रपतियों और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकें करेंगे, जिससे लोकतांत्रिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूती मिलेगी। कांग्रेस पार्टी ने बताया कि राहुल गांधी व्यापारिक नेताओं के साथ भी मुलाकात करेंगे ताकि अमेरिकी टैरिफ के मद्देनजर भारत के लिए व्यापार और साझेदारी के नए अवसरों की खोज की जा सके। ब्राजील, कोलंबिया और अन्य देशों में वे विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ संवाद करेंगे, जिससे वैश्विक नेताओं की अगली पीढ़ी के साथ विचार-विमर्श को बढ़ावा मिलेगा। कांग्रेस ने इस यात्रा को ऐतिहासिक महत्व का बताया है। पार्टी का कहना है कि भारत और दक्षिण अमेरिका के बीच गुट-निरपेक्ष आंदोलन, वैश्विक दक्षिण में एकजुटता और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से लंबे समय से गहरे संबंध रहे हैं। राहुल गांधी की यह यात्रा इस परंपरा को आगे बढ़ाने के साथ-साथ व्यापार, प्रौद्योगिकी, स्थिरता और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान के नए रास्ते खोलेगी।

कांग्रेस ने यह भी कहा कि यह यात्रा भारत की लोकतांत्रिक विपक्ष की वैश्विक साझेदारी को आकार देने और भारत की अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है। पवन खेड़ा ने यह नहीं बताया कि राहुल गांधी किन देशों की यात्रा पर हैं। साथ ही उन्होंने यह भी जानकारी नहीं दी कि गांधी की यह यात्रा कितने दिन की है।

बाढ़ के सबक भूला डीडीए, यमुना किनारे करोड़ों खर्च, फिर मरम्मत की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में कुछ ही महीने पहले यमुना नदी ने रौद्र रूप दिखाया था, जिसके कारण नदी किनारे बने कई जगह पानी में डूब गए थे। अब लगता है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) उन सबक को भुलाकर एक बार फिर करोड़ों रुपये खर्च करने की तैयारी में है। एक्सपर्ट्स की तमाम चेतावनियों के बावजूद, डीडीए ने शुक्रवार को घोषणा की है कि वह यमुना किनारे के अपने दो प्रमुख घाटों - असिता और वासुदेव घाट पर मरम्मत और रखरखाव का काम फिर से शुरू करने जा रहा है। बाढ़ नहीं, यह था नदी का बैकफ्लो 6 सितंबर तक हुई भारी और तीव्र बारिश के कारण यमुना अपने खतरे के निशान से ऊपर बहने लगी थी। इसके चलते ष्ठष्ठ की महत्वाकांक्षी रिवरफ्रंट विकास परियोजनाओं, जिसमें लैंडस्केप पार्क, साइकिल ट्रैक और घाट शामिल थे, का एक बड़ा हिस्सा पानी में डूब गया था। दिलचस्प बात यह है कि विशेषज्ञों का कहना है कि यह कोई सामान्य बाढ़ नहीं थी, बल्कि बाढ़ क्षेत्र पर अतिक्रमण के कारण हुआ नदी का बैकफ्लो था। यानी, हमने नदी की जगह छीन ली, इसलिए पानी वापस लौट आया। लाखों का नुकसान, फिर लाखों का खर्च नदी के उफनते पानी ने न केवल हाल ही में हुए पत्थर और ईंटों के काम को नष्ट किया, बल्कि लगाए गए पौधे उखड़ गए और सजावटी चीजें, जैसे कि साइनबोर्ड, छोटे स्कल्पचर और रास्ते भी बह गए। कई जगहों पर ईंटों की पक्की सड़कें धंस गई और नई बिछाई गई घास गाद के नीचे दब गई। डीडीए अधिकारियों ने इन सार्वजनिक स्थानों को बहाल करने के लिए मरम्मत कार्य को जरूरी बताया है। वासुदेव घाट पर मरम्मत का अनुमानित खर्च 32.97 लाख रुपये और असिता घाट पर 46.7 लाख रुपये लगाया गया है। डीडीए के एक अधिकारी के अनुसार, अगले दो महीनों में ठेकेदार को काम पर लगाया जाएगा, जिसमें गाद हटाना, ईंटों का काम फिर से करना, इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाना और साइनबोर्ड लगाना शामिल होगा। पीपल्स रिसोर्स सेंटर के संस्थापक सदस्य, रविंद्र रवि ने कड़े शब्दों में कहा कि नदी को फैलने और सांस लेने के लिए जगह चाहिए। उन्होंने साफ किया कि दिल्ली में जो हुआ वह सचमुच बाढ़ नहीं थी, बल्कि बाढ़ क्षेत्र पर अतिक्रमण के कारण पानी का बैकफ्लो था।

मुख्यमंत्री योगी के आदेश के बाद बरेली में उपद्रवियों पर ताबड़तोड़ ऐक्शन; 50 हिरासत में

लखनऊ, एजेंसी। यूपी के बरेली में शुक्रवार को आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा के ऐलान पर पैदल मार्च निकालने इस्लामिया ग्राउंड जा रही भीड़ को पुलिस द्वारा रोके जाने पर बवाल हो गया। भीड़ द्वारा किए गए पथराव और फायरिंग में दस पुलिसकर्मियों समेत कुछ लोग घायल हो गए। भीड़ ने तीन बाइकों और एक दुकान में तोड़फोड़ भी की। इस बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार की देर रात लखनऊ में कानून व्यवस्था की समीक्षा की। शनिवार की सुबह भी उन्होंने बरेली का फीडबैक लिया है। शुक्रवार शाम कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान सीएम योगी ने दो टूक शब्दों में कहा है कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की किसी भी कोशिश को सरकार कड़ी से कड़ी कार्रवाई के साथ कुचल देगी। पर्व-त्योहारों के अवसर पर कतिपय असामाजिक तत्वों द्वारा अशांति फैलाने के कुत्सित प्रयासों पर कड़ी चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'दशहरा बुराई और आतंक के दहन का पर्व है। उपद्रवियों पर ऐसी कार्रवाई हो कि वे दोबारा कभी इस गलती की सोच भी न सकें। कार्रवाई के लिए किसी और समय का इंतज़ार न करें, यही समय है, सही समय है।' सीएम योगी के सख्त तेवरों के बाद बरेली में पुलिस ताबड़तोड़ ऐक्शन ले रही है। 50 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सीएम योगी ने हाल के दिनों में कानपुर नगर, वाराणसी, मुरादाबाद, बदायूं, महराजगंज, उन्नाव, संभल, आगरा और बरेली में आपत्तिजनक जुलूस और भड़काऊ नारेबाजी की घटनाओं पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यह सब प्रदेश का माहौल खराब करने की सुनियोजित साजिश है, जिसे कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसे उपद्रवियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए। आयोजकों और मास्टरमाइंड की पहचान कर उनकी संपत्ति तक की जांच हो। इन जुलूसों में शामिल एक भी उपद्रवी

बचना नहीं चाहिए। वीडियो फुटेज खंगालें, सोशल मीडिया मॉनीटरिंग करें और हर एक उपद्रवी पर कार्रवाई करें।

शुक्रवार देर रात हुई मीटिंग : बरेली बवाल के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार की देर रात शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों, जोनल एडीजी, आईजी, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और पुलिस कप्तानों सहित फील्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून-व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति दोहराते हुए कहा कि हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शारदीय नवरात्र से प्रारंभ मिशन शक्ति 5.0 की प्रगति पर संतोष जताते हुए मुख्यमंत्री ने गरबा-डांडिया जैसे आयोजनों में बहरूपिये अराजक तत्वों की घुसपैठ रोकने के सख्त निर्देश दिए। महिला अपराधों में त्वरित कार्रवाई और अपराधियों को सजा दिलाने के लिए प्रभावी पैरवी पर बल दिया। उन्होंने कहा कि छेड़खानी, चेन स्नेचिंग या एसिड अटैक जैसी घटनाओं पर न केवल थाने और चौकी की जवाबदेही तय होगी बल्कि पीआरवी की भूमिका भी जांची जाएगी। दशहरे के बाद जोनल एडीजी इसकी थानावार समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

ड्रोन के जरिए चोरी की अफवाहों पर सख्ती का आदेश : सिद्धार्थनगर, महराजगंज, बस्ती और प्रयागराज आदि जिलों में ड्रोन के जरिए रेकी और चोरी की अफवाहों पर मुख्यमंत्री ने कड़ा एतराज जताया। उन्होंने कहा कि अफवाह फैलाने वालों की गिरफ्तारी हो और पुलिस लगातार गश्त करती रहे। चौकीदारों की सक्रियता बढ़ाई जाए ताकि गलत सूचनाओं से जनता आतंकित न हो। उन्होंने सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाओं की रोकथाम के लिए कड़ी मॉनीटरिंग के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जातीय संघर्ष भड़काने की कोशिशों पर भी सख्ती दिखाई और कहा कि शासन के स्पष्ट आदेशों का अक्षरशः पालन कराया जाए। जाति के नाम पर वैमनस्य फैलाने की कोशिशों को पूरी तरह खत्म करना होगा। त्योहारों के दौरान सुरक्षा-व्यवस्था पर मुख्यमंत्री ने विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रतिमाएं सुरक्षित सीमा से अधिक ऊंची न हों और नदियों में जलस्तर अधिक होने के कारण विसर्जन की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। दुर्गा पूजा समितियों से संवाद कर सुरक्षित व्यवस्था बनाएं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 सिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)